



वार्षिक प्रतिवेदन  
Annual Report  
2016-17

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति  
Indian Institute of Technology Tirupati





वार्षिक प्रतिवेदन  
Annual Report  
2016-17

---

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति  
Indian Institute of Technology Tirupati



# विषय-वस्तु

	निदेशक द्वारा प्रतिवेदन	5
1.	प्रस्तावना	7
2.	संगठन	9
	2.1 अभिशासन	10
	2.2 फैकल्टी प्रोफाईल	11
	2.3 शैक्षिक और गैर शैक्षिक कर्मचारी	16
3.	शैक्षिक कार्यक्रम	18
	3.1 छात्र आंकड़े	18
4.	शैक्षिक अवसंरचना	20
	4.1 शिक्षण कक्ष	20
	4.2 कम्प्यूटिंग और नेटवर्क सुविधाएं	20
	4.3 विज्ञान प्रयोगशालाएं	21
	4.4 अभियांत्रिकी प्रयोगशालाएं	24
	4.5 केंद्रीय पुस्तकालय	27
5.	शोध प्रकाशन और उपलब्धियां	29
	5.1 प्रकाशित शोध दस्तावेज	29
	5.2 प्रदत्त आमंत्रित व्याख्यान	31
	5.3 पुरस्कार और उपलब्धियां	32
6.	राष्ट्रीय पहल	34
7.	शैक्षिक आयोजन	35
	7.1 आयोजित कार्यशालाएं, सम्मेलन और संगोष्ठियां	35
	7.2 शैक्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम	37
	7.3 आमंत्रित वार्ता	38
8.	संस्थान के आयोजन	40
9.	परिसर अवसंरचना	46
	9.1 अस्थायी परिसर	46
	9.2 स्थायी परिसर	50
	9.3 पारगमन परिसर	51
10.	छात्र गतिविधियां	52
	10.1 तकनीकी आयोजन	52
	10.2 राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यकलाप	56
	10.3 छात्र क्लब और गतिविधियां	58
	10.4 खेल गतिविधियां	63



# निदेशक द्वारा प्रतिवेदन

पहले निदेशक के रूप में आईआईटी तिरुपति की 2016-17 की अवधि की दूसरी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। जैसा कि संस्थान संचालन के दूसरे वर्ष में प्रवेश कर गया है, इस अवधि के दौरान कई परिभाषनीय घटनाक्रम हुए हैं और बड़ी उपलब्धियां हासिल की गयी हैं। सबसे महत्वपूर्ण है, संस्थान को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान दर्जा प्रदान करते हुए माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016 प्रस्तुत किया गया और संसद द्वारा इसे पारित किया गया तथा भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने तेजी से कार्य करते हुए आईआईटी तिरुपति सहित तीसरी पीढ़ी के सभी प्रौद्योगिकी संस्थानों के निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की। परामर्शदाता संस्थान, आईआईटी मद्रास की ओर से प्रभारी प्राध्यापक के रूप में नियुक्ति किए जाने के परिणामस्वरूप मुझे आरंभ से ही आईआईटी तिरुपति की स्थापना में भागीदार बनने का अवसर प्राप्त हुआ। जनवरी 2017 में निदेशक के रूप में मेरी नियुक्ति मुझे संस्थान के विकास की प्रक्रिया में निरंतरता प्रदान करती है। आईआईटी तिरुपति के शीघ्र देश की प्रमुख संस्थाओं में से एक बनने की काफी आशाएं हैं। मैं इन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित शैक्षिक और प्रशासनिक नेतृत्व प्रदान करने की आशा करता हूं।



किसी भी शैक्षिक संस्थान के संकाय सदस्य उसका आधार होते हैं। आईआईटी तिरुपति के प्रथम वर्ष के दौरान, पाठ्यक्रमों का शिक्षण कार्य आईआईटी मद्रास और ख्यातिप्राप्त नजदीकी राष्ट्रस्तरीय संस्थाओं से आए अतिथि फैकल्टी और सेवानिवृत्त वरिष्ठ फैकल्टी की सहायता से किया गया। मई 2016 में संकाय सदस्यों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार आयोजित किए गए और नौ संकाय सदस्यों को अनुबंध आधार पर नियुक्त किया गया। मार्च 2017 में स्थायी आधार पर संकाय सदस्यों को नियुक्त करने की प्रक्रिया विज्ञापन जारी किए जाने के साथ प्रारंभ हुई और साक्षात्कार मई-जून 2017 में रखे गए। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति को आईआईटी मद्रास और आईआईटी कानपुर के पांच वरिष्ठ प्राध्यापकों, जिन्हें विजीटर की अनुमति से अधिवर्षिता पर पुनः-नियुक्त किया गया था, का मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। शिक्षणोत्तर कर्मचारियों की स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया भी साथ-साथ आरंभ की गयी। आरंभ में सीमित अवसंरचना के साथ अनुबंध आधार पर नियुक्त किए गए सभी कर्मचारियों ने संस्थान को मौजूदा स्तर तक लाने के लिए अथक रूप से और अति उत्साह के साथ कार्य किया।

संस्थान ने एमएस (शोध द्वारा) और पीएच.डी कार्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश देते हुए शैक्षिक वर्ष 2017-18 से स्नाताकोत्तर कार्यक्रम आरंभ करने का निर्णय लिया है। इन कार्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश देने की प्रक्रिया आरंभ की गयी।

सभी आईआईटी की तुलना में आईआईटी तिरुपति में छात्राओं का सर्वाधिक अनुपात जारी रहा, बी.टेक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले 116 छात्रों में अगस्त 2016 में बी.टेक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाली 20 छात्राएं थीं। छात्रों द्वारा विशेष रुचि वाले कई क्लबों का गठन करते हुए छात्र गतिविधियों का विस्तार किया गया। मार्च 2016 में छात्रों ने तिरुपति में तथा उसके आस-पास के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों की सक्रिय भागीदारी के साथ संस्थान में पहले तकनीकी उत्सव का आयोजन किया गया। आईआईटी तिरुपति के छात्रों ने दिसंबर 2016 में पहली बार अंतर-आईआईटी खेल आयोजन में भाग लिया।

कृष्णा तेजा संस्थान के परिसर में किराए पर लिया गया शैक्षिक भवन कार्य के पहले वर्ष के दौरान पर्याप्त रहा, तदंतर वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अभियांत्रिकी प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए यह अपर्याप्त सिद्ध हुआ। इसी प्रकार, दूसरे बैच के छात्रों के प्रवेश से बढ़ी हुई संख्या को स्थान प्रदान करने के लिए छात्रावास सुविधाओं का सृजन करना पड़ा। शैक्षिक भवन के नजदीक दो अपार्टमेंट भवन टूंडने और किराए पर पा लेना हमारे लिए भाग्य की बात रही। छात्रों को भोजन की सुविधाएं प्रदान करने के लिए शैक्षिक भवन के नजदीक 45 दिन के रिकार्ड समय में प्री-इंजीनियर्ड भवन (पीईबी) का प्रयोग करते हुए एक रसोई-सह-भोजन सुविधा का निर्माण किया गया। प्रयोगशालाओं और आवासीय सुविधाओं की तात्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह निर्णय लिया गया कि कर्मचारियों के लिए पीईबी प्रौद्योगिकी, ग्लास फाइबर रिइन्फोर्सड जिपसम (जीएफआरजी) जैसी त्वरित एवं सतत निर्माण प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए दो प्रयोगशाला भवन, 600 छात्रों के लिए छात्रावास, अनिवार्य कर्मचारियों के लिए चार अपार्टमेंट और खेल सुविधाओं सहित अनिवार्य सुविधाओं की स्थापना की जाएगी। पारगमन परिसर भवनों का डिजाइन पूरा किया गया और निर्माण कार्य सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया।

छ: नए आईआईटी के परिसरों की स्थापना के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा परामर्शदाता संस्थानों से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का अनुरोध किया गया। आईआईटी तिरुपति चार परामर्शदाता संस्थानों-आईआईटी मुम्बई, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी मद्रास के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी के साथ समन्वयक संस्थान था। यह कार्रवाई सफलतापूर्वक पूरी की गयी और बजट के अनुमोदन हेतु वित्त मंत्रालय को डीपीआर प्रस्तुत किए गए।

परामर्शदाता निदेशक प्रो. भास्कर राममूर्ति द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन संस्थान को आरंभ किए जाने के लिए मजबूत स्थापना में महत्वपूर्ण रहा है। आईआईटी मद्रास के संकाय सदस्य और कर्मचारी आईआईटी तिरुपति के कार्य के प्रति सदैव इच्छुक रहे और उन्होंने पाठ्यक्रमों के शिक्षण, संकाय और कर्मचारियों की भर्ती की प्रक्रिया में सहायता प्रदान करके, प्रशासनिक सहायता, और विभिन्न प्रणालियों की स्थापना में दिशानिर्देश प्रदान करते हुए अपना महत्वपूर्ण समय दिया है।

आईआईटी तिरुपति परिवार के सभी सदस्यों की ओर से मैं शासी मंडल और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तकनीकी अनुभाग के कर्मचारियों का उनके मार्गदर्शन और निरंतर सहायता के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर का हमारे संस्थान का दौरा करने, संकाय सदस्यों के साथ परस्पर मेलमिलाप एवं बातचीत करने और पूरी सहायता सुनिश्चित करने के लिए विशेष धन्यवाद देता हूं।

**प्रो. के. एन. सत्यनारायण**  
निदेशक



## प्रस्तावना

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) तिरुपति, आंध्र प्रदेश राज्य के पवित्र मंदिर शहर तिरुपति में स्थित है। इसे भारत सरकार द्वारा पालक्काड़, जम्मू, भिलाई, गोवा और धारवाड़ में पांच नए अन्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ भारत सरकार द्वारा 2015 में आरंभ किया गया था, जिससे देश में इन संस्थानों की संख्या जम्मू से पालक्काड़ और मुंबई से गुवाहाटी तक 23 हो गई है। हमारा लक्ष्य हमारे संस्थान में राष्ट्र स्तरीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (जेईई-एडवांस्ड) के जरिए प्रवेश लेने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति, 2014 में घोषित संस्थानों में वह प्रथम संस्थान है जिसकी आधारशिला 28 मार्च, 2015 को रखी गई थी। संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2015-2016 से अपने परामर्शदाता संस्थान, आईआईटी मद्रास की सहायता से कार्य करना प्रारंभ किया। अभियांत्रिकी के 4 विषयों में बी.टेक कार्यक्रम में छात्रों को प्रवेश देते हुए अगस्त 2015 में शैक्षिक कार्यक्रम आरंभ किए गए।

अन्य नये संस्थानों की तरह ही आईआईटी तिरुपति को भी छात्रों के आवास, प्रयोगशाला और कार्यशाला हेतु स्थान, संकाय कार्यालय हेतु स्थान, आधुनिक कार्यशाला और प्रयोगशालाओं की स्थापना इत्यादि के रूप में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। परंतु इस दौरान संस्थान अस्थायी परिसर और स्थायी परिसर स्थल दोनों में आवश्यक अवसंरचना के विकास में अनवरत रूप से कार्यरत रहा है। पारगमन परिसर स्थायी परिसर स्थल के एक भाग में शीघ्रतापूर्वक तैयार किया जा रहा है और यह अगले शैक्षिक वर्ष



पारगमन परिसर के निर्माण के आरंभ में भूमि पूजा

(2018) तक संचालित हो जाएगा। मास्टर आर्किटेक्ट की भी शीघ्र ही स्थायी परिसर की मास्टर योजना तैयार करने और उसको अंतिम रूप देने के लिए नियुक्ति की जाएगी। यह आशा है कि कुछ ही वर्षों में यह संस्थान एक मजबूत छात्र समुदाय, विश्व स्तरीय प्राध्यापक समुदाय, आधुनिक प्रयोगशालाओं इत्यादि को स्थायी परिसर में आवासित करने के लिए आवश्यक उत्कृष्ट अवसंरचना तैयार कर लेगा।

## 2016-17 के दौरान हासिल उपलब्धियां

वर्ष 2016-17 के दौरान आईआईटी तिरुपति में महत्वपूर्ण आयोजन हुए। इनमें से कुछ की सूची निम्नांकित हैं:

- आईआईटी तिरुपति ने 27-29 जुलाई, 2016 के दौरान "सस्टेनेबल एनर्जी टेक्नॉलजीज़ फॉर स्मार्ट एंड क्लीन सिटीज़" (एसईटीएस और सीसी-2016) शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- संस्थान में दूसरे प्रमुख बैच को प्रवेश प्रदान किया गया और उनके लिए 1 अगस्त 2016 को उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया।
- प्रो. एम.एस. अनन्त, पूर्व निदेशक, आईआईटी मद्रास ने 6 सितम्बर, 2016 को संस्थान के छात्रों हेतु भोजनालय का उद्घाटन किया। इस भोजनालय का निर्माण फास्ट ट्रैक निर्माण प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए 45 दिन के रिकॉर्ड समय में किया गया।
- माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर ने 12 सितम्बर 2016 को आईआईटी तिरुपति का दौरा किया।
- श्री आर. सुब्रहमण्यन, आईएएस, अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 24 दिसम्बर 2016 को आईआईटी तिरुपति परिसर का दौरा किया।
- प्रो. के.एन. सत्यनारायण ने 18 जनवरी 2017 को आईआईटी तिरुपति के संस्थापक निदेशक का कार्यभार संभाला।
- स्थायी परिसर स्थल में स्थापित हो रहे पारगमन परिसर के डिजाइन को अंतिम रूप दिया और निर्माण की प्रक्रिया आरंभ की गई।
- प्रथम छात्र संचालित तकनीकी उत्सव ऐनफैंग का आयोजन किया गया।

उन यादगार क्षणों की कुछ झलकियां निम्नानुसार हैं।

इस रिपोर्ट में वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान की प्रगति और आयोजित गतिविधियों का विवरण दिया गया है।



आईआईटी तिरुपति में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर



संकाय एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रो. के.एन. सत्यनारायण का स्वागत



प्रो. एम.एस. अनन्त, पूर्व निदेशक, आईआईटी मद्रास भोजनालय का उद्घाटन करते हुए

# 2.

## संगठन

आईआईटी तिरुपति ने सिविल अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी और यांत्रिक अभियांत्रिकी के प्रत्येक विषय में 30 छात्रों के प्रवेश के साथ बी.टेक कार्यक्रमों में छात्रों को प्रवेश प्रदान करते हुए अपने परामर्शदाता संस्थान, आईआईटी मद्रास की सहायता से 5 अगस्त, 2015 को तिरुपति-रेनिगुंटा मार्ग पर स्थित अस्थायी परिसर से अपना शैक्षिक कार्यक्रम आरंभ किया।

भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 9 अगस्त 2016 को “संसद के प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 2016” को अनुमोदन प्रदान किए जाने और दिनांक 10 अगस्त 2016 को इसे भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II में प्रकाशित किए जाने के परिणामस्वरूप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया।



माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर संसद में विधेयक प्रस्तुत करते हुए

संस्थान को शुरुआत से आईआईटी तिरुपति के परामर्शदाता निदेशक के रूप में आईआईटी मद्रास के प्रो. भास्कर राममूर्ति द्वारा परामर्श दिया गया। प्रो. के.एन. सत्यनाराण ने 18 जनवरी, 2017 को पहले निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। वार्षिक प्रतिवेदन के इस अध्याय में वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान के संगठनात्मक ढांचे का विवरण दिया गया है।

## 2.1 अभिशासन

### शासी मंडल

<b>अध्यक्ष</b>	श्री विनय शील ओबराय, आईएएस (28 फरवरी 2017 तक) सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
	श्री के के शर्मा, आईएएस (01 मार्च 2017 से आज तक) सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
<b>सदस्य</b>	श्री आर. सुब्रह्मण्यम, आईएएस अपर सचिव (तकनीकी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय
	प्रो भास्कर राममूर्ति, निदेशक, आईआईटी मद्रास
	श्रीमती दर्शना मोमया डबराल, संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
	श्रीमती तृप्ति गुरहा, निदेशक (आईआईटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय
	प्रो. के. एन. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति
<b>सदस्य सचिव</b>	श्रीमती सुमिता डावरा, (21 जनवरी 2017 तक) सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार
	श्री आदित्यनाथ दास, (22 जनवरी 2017 से आज तक) सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार

### वित्त समिति

<b>अध्यक्ष</b>	अध्यक्ष, शासी मंडल
<b>सदस्य</b>	निदेशक, आईआईटी तिरुपति
	ब्यूरो प्रमुख, तकनीकी शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय या उसके प्रतिनिधि
	संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय या उसके प्रतिनिधि
	सदस्य सचिव, कुलसचिव

### सीनेट

<b>अध्यक्ष</b>	निदेशक, आईआईटी तिरुपति
<b>सचिव</b>	कुलसचिव, आईआईटी तिरुपति
<b>सदस्य</b>	प्रो. के. कृष्णैया, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी तिरुपति
	प्रो. एन. एन. किशोर, मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी तिरुपति
	प्रो. पी. सी. देशमुख, भौतिकी विभाग, आईआईटी तिरुपति
	प्रो. वी. राघवेंद्र, गणित विभाग, आईआईटी तिरुपति

**सदस्य**

प्रो. जी. वेंकटरत्नम, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मद्रास
प्रो. सी. विजयन, भौतिकी विभाग, आईआईटी मद्रास
प्रो. ए. रघुरामराजु, दर्शन शास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय
डॉ. एन. वेंकैया, सह प्राध्यापक, यांत्रिक अभियांत्रिकी, आईआईटी तिरुपति
डॉ. सुब्रह्मण्यम गोर्थी, सहायक प्राध्यापक, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, आईआईटी तिरुपति
डॉ. एस.के. सुबिद अली, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, आईआईटी तिरुपति
डॉ. एम. नित्यधरन, सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, आईआईटी तिरुपति
डॉ. दुर्गा प्रसाद चल्ला, सहायक प्राध्यापक, गणित, आईआईटी तिरुपति
डॉ. प्रसन्ना वी. संपत, सहायक प्राध्यापक, सिविल अभियांत्रिकी, आईआईटी तिरुपति
डॉ. साई बाबा, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी तिरुपति

**भवन एवं कार्य समिति**

**अध्यक्ष**

निदेशक, आईआईटी तिरुपति

**सदस्य**

मुख्य अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, विजयवाड़ा

मुख्य अभियन्ता, एपीएसपीडीसीएल, तिरुपति

अध्यक्ष, अभियांत्रिकी इकाई, आईआईटी मद्रास

श्री एस. रामानुजम, सेवानिवृत्त निदेशक, डीसीएसईएम, डीईई, मुंबई

**गैर सदस्य सचिव**

वरिष्ठ परियोजना सलाहकार (निर्माण), आईआईटी तिरुपति

**2.2 फैकल्टी प्रोफाइल**

आईआईटी मद्रास में वर्तमान में कार्यरत/सेवा निवृत्त वरिष्ठ संकाय सदस्यों को आईआईटी तिरुपति में बी.टेक छात्रों को शिक्षण प्रदान करने हेतु शामिल किया गया है। इसके साथ ही आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास से हाल ही में सेवानिवृत्त पांच वरिष्ठ प्राध्यापकों को आईआईटी तिरुपति में कार्य करने के लिए विजिटर के अनुमोदन से पुनः नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, आईआईटी तिरुपति के परामर्शदाता निदेशक द्वारा संकाय-सदस्य चयन ( अनुबंध आधार पर) का एक दौर आरंभ किया गया था।

**संकाय-सदस्य चयन (अनुबंध आधार पर)**

विभिन्न विभागों के लिए सहायक प्राध्यापक/सह प्राध्यापक के स्तर पर संकाय-सदस्यों की भर्ती दिनांक 10.03.2016 के विज्ञापन सं. आईआईटीटीपी/आरएमटी-एफओ1/2016 द्वारा विज्ञापित की गई थी। परिनियमों के अनुसार और परामर्शदाता निदेशक के अनुमोदन से चयन समिति का गठन किया गया और 9 मई तथा 25 मई, 2016 के मध्य साक्षात्कार आयोजित किए गए। नियुक्ति के लिए चयन समिति द्वारा कुल 17 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई जिनमें से सहायक प्राध्यापक के स्तर पर सात संकाय सदस्यों और एक सह प्राध्यापक स्तर के संकाय सदस्य ने संस्थान में अनुबंध आधार पर कार्यभार ग्रहण किया। इसके अतिरिक्त दो संकाय सदस्यों ने विजिटिंग संकाय सदस्य के रूप में संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

आईआईटी तिरुपति में अवर स्नातक पाठ्यक्रम के शिक्षण में शामिल संकाय सदस्यों की विषय-वार विस्तृत सूची नीचे दी गई है।

## रसायन

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. के.के. बालासुब्रह्मण्यम  
सेवानिवृत्त प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. के. मंगला सुंदर  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. जी रंगा राव  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. एम.एन.एस. राव  
सेवानिवृत्त प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास

## सिविल इंजिनियरिंग

संकाय सदस्य



डॉ. एम. नित्याधरन  
सहायक प्राध्यापक



डॉ. प्रसन्ना वी. संपत  
सहायक प्राध्यापक

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. राधाकृष्णा जी. पिल्लै  
सहायक प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. कालैसेल्वी  
प्राध्यापक  
राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज



डॉ. आर.जी. रोबिनसन  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. विद्या भूषण माझी  
सहायक प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. जे. कार्तिकेयन  
प्राध्यापक  
एस वी यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज

## कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग

संकाय सदस्य



डॉ. एस्के सुबिद अली  
सहायक प्राध्यापक

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. एन.एस. नारायणस्वामी  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. पी. श्रीनिवास कुमार  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. सी. पांडुरंगन  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. डब्ल्यू.आई. सुरेश कुमार  
परियोजना अधिकारी  
आईआईटी मद्रास



डॉ. सी.एस. राहुल  
परियोजना अधिकारी  
आईआईटी मद्रास



डॉ. श्रीधर चिमलकोंडा  
अतिथि संकाय सदस्य  
आईआईआईटी-श्री सिटी

## विद्युत अभियांत्रिकी

संकाय सदस्य



डॉ. सुब्रहमण्यम गोर्थी  
सहायक प्राध्यापक



डॉ. साईकिरन ओरुगंती  
सहायक प्राध्यापक



डॉ. साई .कृष्णा पी.एस.  
अतिथि संकाय सदस्य

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. के.एम.एम. प्रभु  
सेवानिवृत्त प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. आर. सुंदर  
प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता  
राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज

## मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. देवकी रेड्डी  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. वेदपरायण  
प्रतिष्ठित प्राध्यापक  
एसवी यूनिवर्सिटी



डॉ. प्रेमा राजगोपालन  
सह प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. सबुज कुमार मंडल  
सहायक प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. अर्निकर हम्सा  
जर्मन संकाय सदस्य

## गणित

संकाय सदस्य



डॉ. वी. राघवेंद्र  
प्राध्यापक



डॉ. दुर्गा प्रसाद चल्ला  
सहायक प्राध्यापक



डॉ. एस. राजेश  
अतिथि संकाय सदस्य

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. जी. रविंद्रन  
सह प्राध्यापक  
आईएसआई चैन्नई



डॉ. एस.जी. कामत  
सेवानिवृत्त प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. आर. उषा  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास

## यांत्रिक अभियांत्रिकी

संकाय सदस्य



डॉ. एन.एन. किशोर  
प्राध्यापक



डॉ. के. कृष्णौया  
प्राध्यापक



डॉ. एन. वैकेंया  
सह प्राध्यापक



डॉ. मदन मोहन अबुलापति  
सहायक प्राध्यापक



## यांत्रिक अभियांत्रिकी

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. के.एल. नारायण  
पूर्व प्राध्यापक एवं प्रधानाध्यापक  
एसवी यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग कॉलेज



डॉ. प्रसाद पटनायक बी.एस.वी.  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. मनोज पांडेय  
सहायक प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. धीमन चटर्जी  
सह प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. एस.पी. दास  
सहायक प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. जी. वेंकटरत्नम्  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. वी. राघवन  
सह प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास

## भौतिकी

संकाय सदस्य



डॉ. टी.एस. नटराजन  
प्राध्यापक



डॉ. पी.सी. देशमुख  
प्राध्यापक

## जीवन विज्ञान

अतिथि  
संकाय सदस्य



डॉ. मौसमी बनर्जी  
जीवन विज्ञान



डॉ. बी.एस. मूर्ति  
प्राध्यापक  
आईआईटी मद्रास



डॉ. जयश्री वेंकटेशन  
ट्रस्टी प्रबंधक  
केयर अर्थ ट्रस्ट

## पारिस्थितिकी और पर्यावरण

## 2.3 शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक कर्मचारी

### शैक्षिक कर्मचारी

आईआईटी तिरुपति ने नियमित पाठ्यक्रम कार्य में संकाय सदस्यों को सहायता प्रदान करने तथा प्रयोगशाला में प्रभावी रूप से प्रयोगों का संचालन सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। शैक्षिक कर्मचारियों की विभाग-वार सूची नीचे दी गई है:

#### रसायन विज्ञान



डॉ. जी. सुब्रह्मण्यन  
परियोजना अधिकारी



डॉ. एम. जगदीश  
वरिष्ठ परियोजना अधिकारी

#### कम्प्यूटर विज्ञान



श्रीमती जे. सुजा  
परियोजना अधिकारी

#### विद्युत अभियांत्रिकी



श्री पी. प्रभाकर राव  
वरिष्ठ परियोजना सलाहकार



श्रीमती एम. अनिता  
परियोजना सहयोगी

#### भौतिकी



डॉ. पी. मोहनप्रिया  
वरिष्ठ परियोजना अधिकारी



श्री वोमा उदय कुमार  
परियोजना अधिकारी

#### यांत्रिक अभियांत्रिकी



श्री बी. रमेश कुमार  
वरिष्ठ परियोजना अधिकारी

#### कार्यशाला



श्री ए. रमेश .कृष्णन  
परियोजना अधिकारी

#### गणित



डॉ. एम. राधाकृष्णन  
परियोजना अधिकारी

### गैर-शैक्षिक कर्मचारी

हाल ही में इसरो और आईआईटी मद्रास से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आईआईटी तिरुपति में अनुबंध आधार पर नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त संस्थान के सुचारु संचालन में सहायता प्रदान करने के लिए तदर्थ आधार पर भी कुछ कर्मचारियों की भर्ती की गई है। 2016-17 के दौरान आईआईटी तिरुपति में सभी कार्यरत गैर-शैक्षिक कर्मचारियों की विभाग-वार सूची नीचे दी गई है:

#### प्रशासन



श्री वी. आदीनारायण  
परियोजना सलाहकार



श्रीमती माधवीलता  
कनिष्ठ सहायक



सुश्री एस. इजहिलारसी  
परियोजना सहयोगी



श्री पी. मिथुन कुमार  
परियोजना सहयोगी



श्री श्रीनिवासचार्यलु सीएच  
वरिष्ठ परियोजना सहायक

## लेखा अनुभाग



श्री टी. शिवा कुमार  
परियोजना सलाहकार



श्री वाई. विजय  
वरिष्ठ परियोजना सहायक

## छात्रावास



श्री के.एस. जानकीरमन  
वरिष्ठ परियोजना सहायक

## कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग



श्री एस.एल. प्रदीप वालन  
वरिष्ठ परियोजना अधिकारी



श्री टी.टी. मनीगंदन  
परियोजना अधिकारी



श्री टी. सेंथिल  
परियोजना अधिकारी



श्रीमती देवी प्रशांति  
परियोजना अधिकारी

## अभियांत्रिकी इकाई



श्री पी.पी. चौधरी  
वरिष्ठ परियोजना सलाहकार



श्री जी. नारायण  
परियोजना सहयोगी



श्री सेंथामिल सेलवन  
परियोजना अधिकारी



सुश्री के. पूर्णाश्री  
परियोजना सहयोगी

## पुस्तकालय



डॉ. बी. साईबाबा  
उप पुस्तकालयध्यक्ष



श्री पी. चंद्र शिव कुमार  
परियोजना सहयोगी



श्री वी.आर. लोकनरेश  
वरिष्ठ परियोजना सहायक

## क्रय अनुभाग



श्री नागराज एन.ई.  
परियोजना सलाहकार



श्री सी. मुदुरई मुथु  
वरिष्ठ परियोजना सहायक

## संकाय सदस्य एवं कर्मचारी भर्ती (नियमित)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय और शासी मंडल के अनुमोदन से 45 संकाय सदस्य पदों और 20 गैर-शिक्षण पदों के लिए रिक्तियों को फरवरी, 2015 माह में विज्ञापित किया गया। संस्थान को संकाय सदस्य पदों के लिए आवेदन करने हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से विश्व भर से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और साथ ही स्टाफ भर्ती के लिए रिक्तियों हेतु भी बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। संकाय सदस्यों की नियुक्ति हेतु साक्षात्कार तथा कर्मचारियों के लिए चयन परीक्षाएं मई और जून, 2017 में आयोजित किया जाना तय हुआ है।

# 3

## शैक्षिक कार्यक्रम

आईआईटी तिरुपति निम्नलिखित विषयों में प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक) प्रदान करता है:

सिविल अभियांत्रिकी	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
-----------------------	-------------------------------------	-----------------------------	--------------------------

प्रवेश के लिए सीटों की कुल स्वीकृत संख्या 120 (प्रत्येक शाखा में 30) है। अभियांत्रिकी विषयों में शोध द्वारा मास्टर ऑफ साईंस (एम.एस.) कार्यक्रम शैक्षिक वर्ष 2016-17 से आरंभ किया जा रहा है और सभी विषयों में पीएच.डी कार्यक्रम जनवरी 2018 से आरंभ किए जाने हैं।

### 3.1 छात्र आंकड़ें

शैक्षिक वर्ष 2016-17 में स्वीकृत 120 सीटों की तुलना में 115 नियमित छात्रों और प्रीपेटरी पाठ्यक्रम के तहत एक छात्र ने संस्थान में प्रवेश लिया। प्रवेश लेने वाले कुल 116 छात्रों में से 96 लड़के थे और 20 लड़कियां थीं। आईआईटी तिरुपति देश में सभी आईआईटी में पंजीकृत छात्राओं में से संस्थान में पंजीकृत होने वाली छात्राओं का अधिकतम प्रतिशत (17.1%) होने पर गर्व महसूस करता है। प्रवेश लेने वाले छात्रों का वर्ष-वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

**तालिका: 3.1 शैक्षिक वर्ष 2015-16 और 2016-17 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण**

वर्ष	सामान्य		ओबीसी		एससी		एसटी		कुल
	लड़कें	लड़कियां	लड़कें	लड़कियां	लड़कें	लड़कियां	लड़कें	लड़कियां	
2015	44	7	28	4	11	6	7	2	109*
2016	47	9	25	8	16	2	8	1	116**

\* दो प्रीपेटरी पाठ्यक्रम छात्रों सहित

\*\*एक प्रीपेटरी पाठ्यक्रम छात्र सहित

### बी.टेक छात्रों के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता

संस्थान में बी.टेक कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध छात्रवृत्तियों में संस्थान की योग्यता-सह-साधन (एमसीएम) छात्रवृत्ति, एससी एसटी छात्रवृत्ति और भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार संस्थान की नि.शुल्क विद्यार्थी वृत्ति (स्टूडेंटशिप) शामिल हैं। संदर्भ के लिए एक तालिका नीचे दी गई है:

**तालिका 3.2: बी.टेक छात्रों के लिए वित्तीय सहायता**

क्र. सं.	छात्रवृत्ति का प्रकार	छात्रवृत्ति का विवरण	छात्रों की संख्या	
			2015	2016
1.	संस्थान की योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति उन छात्रों के लिए उपलब्ध है जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 4.5 लाख रूपए से कम है।	<ul style="list-style-type: none"> <li>ट्यूशन फीस के भुगतान से छूट</li> <li>1000/-रूपए प्रतिमाह</li> </ul>	26	30
2.	उन छात्रों के लिए संस्थान छात्रवृत्ति उपलब्ध है, जिनके अभिभावकों की आय प्रति वर्ष 4.5 लाख रूपए से कम है।	<ul style="list-style-type: none"> <li>ट्यूशन फीस के भुगतान से छूट</li> </ul>	06	11
3.	एससी/एसटी छात्रवृत्ति	<ul style="list-style-type: none"> <li>भोजनालय प्रभार में 8,000/-रूपए प्रति सेमेस्टर तक छूट</li> <li>नि:शुल्क आवास</li> <li>250/- रूपए प्रतिमाह पॉकेट भत्ता</li> </ul>	08	13

# 4.

## शैक्षिक अवसंरचना

आईआईटी तिरुपति ने छात्रों की आशाओं और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने अस्थायी परिसर में शिक्षण कक्ष, प्रयोगशालाएं और केंद्रीय पुस्तकालय सहित आवश्यक अवसंरचना सृजित की है। आईआईटी तिरुपति ने छात्रों की भविष्य की आवश्यकताओं की परिकल्पना करते हुए शुरुआत से ही प्रयोगशालाओं की स्थापना करने और उन्हें बी.टेक हेतु प्रयोगात्मक कक्षाओं के संचालन के लिए आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित करने पर ध्यान केंद्रित किया। संस्थान में प्रयोगात्मक सत्रों के संचालन हेतु मूल विज्ञान विषयों के लिए दो सुस्थापित प्रयोगशालाएं, एक कार्यशाला, एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला और दो इंजीनियरिंग प्रयोगशालाएं हैं। रिपोर्ट का यह खंड संस्थान में स्थापित केंद्रीय सुविधाओं और प्रयोगशालाओं की झलकी प्रदान करता है।

### 4.1 शिक्षण कक्ष

60 सीट वाले आठ शिक्षण कक्ष और 120-सीट वाले एक शिक्षण कक्ष का निर्माण किया गया तथा आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था की गयी। सभी शिक्षण कक्ष इंटरनेट पहुंच के साथ डेस्कटॉप कम्प्यूटरों, प्रोजेक्टरों और स्क्रीन और ऑडियो सिस्टम से सुसज्जित हैं। ध्वनि वृद्धन हेतु शिक्षण कक्षाओं में समुचित कार्य किया गया है। साथ ही राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के लिए 1 जीबीपीएस बैंडविथ कनेक्शन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं सहित 120 सीट वाले एक इलैक्ट्रॉनिक आभासी शिक्षण कक्ष की भी स्थापना की गई है। इस आभासी शिक्षण कक्ष का उपयोग संपर्क कक्षाओं के आयोजन और समूचे विश्व के प्रख्यात व्यक्तियों द्वारा आमंत्रित व्याख्यानों के लिए भी किया जा रहा है।

### 4.2 कम्प्यूटिंग और नेटवर्क सुविधाएं

#### कम्प्यूटर प्रयोगशाला

छात्रों के लिए सॉफ्टवेयर आधारित प्रयोग और प्रोग्रामिंग हेतु संस्थान में एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। यह प्रयोगशाला लगभग 60 अत्याधुनिक आल-इन-वन डेस्कटॉप सिस्टम, 2 शॉर्ट व्यू प्रोजेक्टरों तथा श्रव्य प्रणालियों से सुसज्जित हैं।



कम्प्यूटर प्रयोगशाला का एक दृश्य



कम्प्यूटर प्रयोगशाला का एक दृश्य

### कम्प्यूटर प्रयोगशाला का एक दृश्य

संस्थान के पास वेबसाइट पर होस्ट करने के लिए एलडीएपी प्रमाणन तथा शैक्षिक उद्देश्यों के लिए मूडल ओपन सोर्स एप्लीकेशन हेतु 2 ब्लेड सर्वर हैं। इन सर्वरों का विवरण नीचे दिया गया है:

- **आईबीएम सर्वर**

128 जीबी रैम के साथ 09 टीबी की आंतरिक भंडारण क्षमता

- **लेनोवो ब्लेड सर्वर**

64 जीबी रैम के साथ 600 जीबी आंतरिक भंडारण क्षमता सहित

### उपलब्ध सॉफ्टवेयर

संस्थान ने सामान्य, शैक्षणिक एवं शोध प्रयोजनों के लिए बड़ी संख्या में सॉफ्टवेयर खरीदे हैं। संस्थान में उपलब्ध सॉफ्टवेयर श्रेणी-वार नीचे दिए गए हैं:

#### सामान्य उपयोग

- कैसपर्सकी एंटीवायरस

- माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 2016

#### अभियांत्रिकी और विज्ञान

- आटोकैड 2016 (ईडीयू) (असीमित)

- मैटलैब 2016बी (असीमित)

- आर्केड सिमेटिक कैप्चर और पीएसपीआईसीई

- विवाडो एस/डब्ल्यू

- भूजल मॉडलिंग प्रणाली (जीएमएस)

- केमड्रा प्रोफेसनल 15.1

- स्कब/एमनोवा

- क्रेओ एस डब्ल्यू

- कोमसोल एस/डब्ल्यू

- आर्केड पीसीबी और ऑटो रूटिंग एस डब्ल्यू

- सिमुलिया ऐबेक्स सॉटवेयर

- पीएसपाइस

### इंटरनेट सुविधाएं

संस्थान में वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ एक समर्पित उच्च गति लीज्ड इंटरनेट है। आईआईटी तिरुपति का शैक्षिक परिसर पूरी तरह से नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ है। यह शैक्षिक भवन से अतिथि गृह, तथा 10 से 12 किलोमीटर तक की दूरी पर स्थित लड़कों और लड़कियों के छात्रावासों में 100 से अधिक एमबीपीएस स्पीड के साथ प्वाइंट-टू-प्वाइंट आरएफ ट्रांससीवर द्वारा वाई-फाई प्रदान करता है।

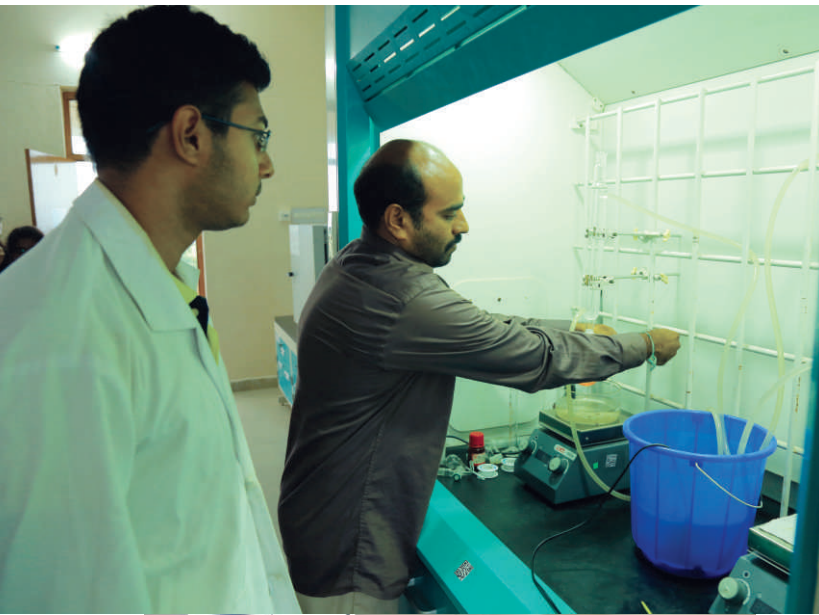
### 4.3 विज्ञान प्रयोगशालाएं

प्रथम वर्ष के अवर स्नातक छात्रों के लिए अस्थायी परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ विज्ञान और रसायन प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। यह खंड परिसर में विज्ञान प्रयोगशालाओं का विस्तृत परिदृश्य प्रदान करता है।

## रसायन प्रयोगशाला

रसायन प्रयोगशाला में प्रयोग छात्रों को अभियांत्रिकी और विज्ञान के विविध क्षेत्रों से परिचित कराने के लिए तैयार किए गए हैं। ये प्रयोग उन विषयों के माध्यम से रसायन शास्त्र के विद्वांतों को प्रदर्शित करने के लिए तैयार किए गए हैं जिन्हें छात्र अपने दैनिक जीवन से जोड़ सकते हैं, ये निम्नलिखित हैं:

- **जल गुणवत्ता:** पड़ोस से प्राप्त किए गए नमूनों की कठोरता
- **फार्मेसी:** एस्पिरिन (दवा बनाना)
- **प्राकृतिक उत्पाद:** चाय की पत्तियां (बाजार में उपलब्ध विभिन्न ब्रांड की चाय से कैफीन निकालना)
- **खाद्य जगत:** साइट्रस फल (विभिन्न फलों की अम्लता)
- **सामग्री जगत:** पीतल (तांबा सामग्री)



रसायन प्रयोगशाला का दृश्य

### रसायन प्रयोगशाला में उपकरण:

- बेंच टॉप कंडक्टिविटी मीटर मॉडल एलएमसीएम -20
- बेंच टॉप पीएच मीटर मॉडल एलएमपी -10
- डिस्टिल्ड जल संयंत्र -4 एल क्षमता
- डिजिटल क्लौरीमीटर-सिस्ट्रोनिक्स
- हॉट प्लेट -8 इंच-डाया
- मेलिंग प्वाइंट अपरेटस
- वाटर बाथ - 6 होल
- आइस लेक मशीन- एलानप्रो
- हॉट प्लेट के साथ चुंबकीय उत्तेजक (1 एल क्षमता)
- प्रेसिजन गोल्ड बैलेंस (वेन्सार)
- एनालिटिकल बैलेंस (सार्टोरियस)
- रोटरी वैक्यूम पम्प-300 एलपीएम
- यूवी फिल्टर के साथ-यूवी-कैबिनेट
- हीट गन, बॉश
- हॉट एयर ओवन-बाइंडर (रेडलाइन सीरीज)
- आइस लेकर 100 किलोग्राम
- ऑयल फ्री पोर्टेबल वैक्यूम पम्प-सुपर फिट
- वेंडिंग स्केल-एनालिटिकल बैलेंस

## भौतिकी प्रयोगशाला

भौतिकी प्रयोगशाला उन प्रयोगशालाओं में से एक है जिसे संस्थान की शुरुआत के साथ आरंभ किया गया था। इस प्रयोगशाला में अवर स्नातक स्तर पर लगभग 10 प्रयोगों के संचालन हेतु अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, और इसमें इस क्षेत्र में शोध के संचालन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त उपकरण भी हैं।





भौतिकी प्रयोगशाला की एक झलक

**भौतिक प्रयोगशाला में उपलब्ध उपकरण:**

- कम्पाउंड पेंडुलम वीथ एसेसरीज़ (पांच सेट)
- अल्ट्रासोनिक इंटरफेरोमीटर (पांच सेट)
- स्टीफन कांन्सटेंट प्राप्त करने के लिए प्रायोगिक सेटअप (पांच सेट)
- न्यूटन रिंग्स एक्सपेरिमेंट (छह सेट)
- डिफरेंशियल ग्रेटिंग के साथ स्पेक्ट्रोमीटर (छह सेट)
- इलेक्ट्रोड कॉन्फिगरेशन के साथ इक्विपोटेन्शियल लाइनों की मैपिंग (पांच सेट)
- डिजिटल ऑसिलोस्कोप (छह सेट)

- उपस्करों के साथ हॉल इफेक्ट एपैरटस (पांच सेट)
- प्लांक कॉन्सटेंट यूजिंग एलईडी (पांच सेट)
- मैट लेबोरेट्री का प्रयोग करते हुए सिमुलेशन प्रयोगशाला (10 सेट)
- फोर्ब्स मैथड अपरेटस
- डिजिटल टाइमर के साथ लिनियर एयर ट्रैक (एक)
- टाईमिंग कार+प्लेन रैंप+उपस्कर+इंक्लाइंड प्लेन एस्सेसरी कर्वड रैंप (एक)
- कंडक्टिविटी के माप हेतु चार प्रोब मैथड (चार सेट)
- तनाव माप के लिए स्ट्रेनगेज (चार सेट)

## इलैक्ट्रो स्पीनिंग इंस्ट्रूमेंट (स्पिन नैनो)

इलैक्ट्रो स्पीनिंग अपरेटस भौतिकी प्रयोगशाला का एक मुख्य उपकरण है जो पॉलिमर तथा मेटल आक्साइड के नैनो फाइबर तैयार करने में सक्षम है। इस उपकरण से तैयार किए गए नैनो फाइब्रस मेम्ब्रेन इनफिल्ट्रेशन, टिशु इंजीनियरिंग, ड्रग डिलिवरी सिस्टम, कैटालिस्ट, डाई-सेंसीटाइज्ड सॉलर सेल, बैटरी सेपरेटर इत्यादि जैसे विविध क्षेत्रों में उपयोगी है। प्रो. टी. एस. नटराजन, भौतिकी प्राध्यापक, आईआईटी तिरुपति जिन्होंने इस राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता इलैक्ट्रो स्पीनिंग यंत्र का अविष्कार किया (आईआईटी मद्रास में सेवारत होते हुए) आईआईटी तिरुपति में नैनो फाइबर संबंधी शोध में सक्रिय रूप से शामिल हैं।



इलैक्ट्रो स्पीनिंग अपरेटस में प्रयोग करती हुई एक छात्रा

## 4.4 इंजीनियरिंग अभियांत्रिकी

आईआईटी तिरुपति में इंजीनियरिंग के विभिन्न विषयों के संकाय सदस्य अपने संबंधित विषयों के लिए प्रयोगशाला सुविधाएं विकसित करने में तन्मयता से शामिल हैं। 2016-17 के दौरान विकसित की गई और विकसित की जा रही प्रयोगशालाओं का विवरण निम्नानुसार है:

### विद्युत प्रयोगशाला

आईआईटी तिरुपति ने तीसरे सेमेस्टर से आरंभ करते हुए विद्युत और कम्प्यूटर अभियांत्रिकी दोनों के छात्रों के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम प्रदान करने हेतु एक समेकित इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला विकसित की है। संस्थान कार्यशाला प्रैक्टिस के रूप में प्रथम वर्ष के सभी चार शाखाओं के विद्यार्थियों लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशाला प्रदान करता है।

संस्थान ने एफपीजीए बोर्ड का प्रापण किया है। जिसका मूल बी.टेक प्रयोगशाला प्रारंभिक पाठ्यक्रमों तथा प्रोन्नत वीएनएसआई डिजाइन पाठ्यक्रमों और प्रयोगशालाओं के लिए प्रयोग किया जा सकता है। जिंक-जीबो 7000 सीरीज बोर्ड में जिलिक्स 7 सीरीज के साथ ऑन-चिप (एसओसी) ड्युल कोर एआरएम कोर्टेक्स -ए9 प्रोसेसर है तथा एफपीजीए में ऑन-बोर्ड मेमोरी तथा ऑडियो एवं वीडियो आई/ओज़ दोनों तथा सीओडीईसी हैं। ऑन-बोर्ड उच्च बैंडविध पैरीफेरल नियंत्रक, जैसे कि आईजी ईथरनेट, यूएसबी 2.0, एसडीआईओ के साथ इसका ऑडियो और वीडियो प्रोसेसिंग एल्गोरिथम तैयार करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।



विद्युत प्रयोगशाला की कुछ झलकें

आर्केड स्कीमैटिक कैप्चर और पीएसपाइस उपकरण ट्रांजिस्टर और ओप एम्पियर कैरक्टरिक्स के विश्लेषण, डीसी विश्लेषण, एसी विश्लेषण और किसी भी सर्किट का ट्रांजिट विश्लेषण (पैसिव अथवा एक्टिव) के लिए काफी उपयोगी है। ट्रांजिस्टर वायस प्वाइंट फिक्सिंग ईष्टतम प्रदर्शन के लिए उपयोगी है। पीएसपाइस सॉफ्टवेयर एक सशक्त उपकरण है क्योंकि यह छात्रों को पूरी तरह से एनालॉग अथवा पूरी तरह से डिजिटल मिश्रित प्रकार से पूरे सर्किट को सिमुलेट करने और मांटी कार्लो विश्लेषण करने, अत्यधिक ताप और वोल्टेज पर इसके निष्पादन का निर्धारण करने में समर्थ बनाता है। इस उपकरण का उपयोग शोध के लिए भी किया जाता है। तीसरे वर्ष के बी.टेक छात्रों के लिए एक इलेक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला की स्थापना करने की भी योजना है।

#### विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में मौजूद उपकरण:

- रेगुलेटिड डीसी पावर सप्लाय (4-इन-वन) (एलक्यू 6324 टी)
- आरबीटरेरी फंक्शन जनरेटर (एएफजी 1022)
- डिजिटल ऑसिलोस्कोप (टीबीएस 1102 बी-ईडीयू) 100 मेगाहर्ट्ज
- डिजिटल ऑसिलोस्कोप (टीबीएस 1202 बी-ईडीयू) 200 मेगाहर्ट्ज

- डिजिटल मल्टीमीटर (एसएम 7023)
- जिलिकस एफपीजीए बोर्ड जिक-जिबो
- विवाडो सॉटवेयर
- आर्केड स्कीमैटिक कैप्चर और पीएसपाइस
- आर्केड पीसीबी और ऑटो रूटिंग सॉफ्टवेयर
- आईफाइव प्रोसेसर एचपी एलवी 2011 के साथ डेस्कटॉप पीसी

#### सर्वेक्षण प्रयोगशाला



सर्वेक्षण में शामिल छात्र

सर्वेक्षण प्रयोगशाला के लिए व्यापक श्रेणी के उपकरणों की खरीद की गई इसमें संगत रूप से साधारण उपकरण जैसे कि प्रिज्मैटिक कम्पास, वर्नीयर थियोडोलाईटिस, डम्पी लेवल, प्लेन टेबल और संबद्ध उपकरणों जैसे कि रेंजिंग रॉड, क्रास स्टाफ, ऐरो, पेग्स इत्यादि की खरीद की गई। अधिक आधुनिक उपकरण जैसे कि ऑटो लेवल, हैंड हेल्ड जीपीएस डिवाइस और टोटल स्टेशन (5'' और 1'' सटीकता) की भी खरीद की गई। सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को सर्वेक्षण के मूल बातों को समझने के लिए सभी आवश्यक उपकरणों के प्रयोग में प्रशिक्षित किया गया।

शिक्षण कक्ष प्रदर्शन के लिए जियो तकनीकी इंजीनियरिंग से संबंधित उपकरण की खरीद की गई जिसकी सूची नीचे दी गई है:

- काउंटर और एक कैसाग्रांड ग्रूविंग टूल, एचओ के साथ लिक्विड लिमिट उपकरण
- सैंड पोरिंग सिलेंडर अपरेटस , छोटा
- रैमर 4.9 किलो 450 मिमी नियंत्रित फॉल
- कम्पैक्शन टेस्ट उपकरण, मैनुअल - लाइट कॉम्पैक्शन
- कोर कटर

## स्ट्रेन्थ ऑफ मटीरियल्स एण्ड फ्ल्यूइड मिक्ैनिक्स प्रयोगशाला

सिविल और मेकेनिकल अभियांत्रिकी दोनों के छात्रों के लिए एक आधुनिक प्रयोगशाला की स्थापना के लिए एक निविदा जारी की गई और वेंडरों की पहचान की गई। स्ट्रेन्थ ऑफ मटीरियल्स एण्ड फ्ल्यूइड मिक्ैनिक्स प्रयोगशाला में क्रमशः कुल 16 और 9 प्रायोगिक व्यवस्था शामिल हैं। संबंधित वेंडरों को 1.4 करोड़ रूपए मूल्य के क्रय आदेश जारी किए गए हैं। 100 केएन क्षमता के एमटीएस मेक फटिंग रेटिड सर्वोहाइड्रॉलिक यूटीएम के लिए एक करोड़ रूपए मूल्य का एक क्रय आदेश भी जारी किया गया। इन उपकरणों के आईआईटी तिरुपति में दिसंबर 2017 को या उससे पहले आने की संभावना है।

### कार्यशाला

पहले सेमेस्टर में इंजीनियरिंग की सभी शाखाओं के लिए कार्यशाला प्रशिक्षण सत्रों का श्री वेकेंटश्वरा विश्वविद्यालय तिरुपति में उपलब्ध कार्यशाला सुविधाओं में आयोजन किया गया। दूसरे सेमेस्टर के कार्यशाला सत्रों का आयोजन न्यूमेटिक और हाइड्रोलिक प्रशिक्षण किट, एक प्लास्टिक इंजेक्शन मॉडलिंग मशीन और एफआरपी फेब्रिकेशन सुविधाओं की परिसर में स्थापना सहित आवश्यक उपकरणों के प्रापण तथा स्थापना द्वारा आईआईटी तिरुपति में आरम्भ किया गया। कार्यशाला प्रयोग के लिए प्राथमिक इलेक्ट्रीकल और इलैक्ट्रानिक प्रयोगशाला तथा इंस्ट्रूमेंटेशन और संचार प्रयोगशाला की स्थापना की गई।



कार्यशाला में प्रशिक्षित किए जा रहे छात्र

### कार्यशाला में उपलब्ध उपकरण:

- मैनअल इंजेक्शन मॉडलिंग एमसी
- एयर कंप्रेसर
- एयर कंप्रेसर
- न्यूमेटिक प्रशिक्षण किट
- इलेक्ट्रो- न्यूमेटिक ट्रेनिंग किट
- हाइड्रोलिक प्रशिक्षण किट
- इलेक्ट्रो न्यूमेटिक ट्रेनिंग किट
- हाइड्रोलिक प्रशिक्षण किट
- वेल्डिंग सिमुलेटर

- स्विच मॉड्यूल
- लैम्प मॉड्यूल
- ट्यूबलाइन मॉड्यूल
- एमसीबी और ईएलसीबी मॉड्यूल
- कंडक्टर मॉड्यूल
- ओएलआर मॉड्यूल
- पुश बटन मॉड्यूल
- टाइमर मॉड्यूल
- एमसीबी मॉड्यूल
- ईएसएबी- 400 एम्पियर आर्क वेल्डिंग ट्रांसफार्मर

## 4.5 केंद्रीय पुस्तकालय

संस्थान के केंद्रीय पुस्तकालय की स्थापना संस्थान की संभावित शैक्षणिक और शोध संबंधित आवश्यकताओं तथा मौजूदा आवश्यकताओं के साथ संगत सूचना तक वास्तविक एवं बौद्धिक पहुंच प्रदान करते हुए संस्थान के शैक्षणिक एवं शोध कार्यक्रमों में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य के साथ वर्ष 2015 में की गई थी। संस्थान के उद्देश्यों के अनुसरण में पुस्तकालय का उद्देश्य संकाय एवं छात्रों के लिए उपयोगी ई-संसाधनों सहित संसाधनों का एक व्यापक संग्रह तैयार करना है।

केंद्रीय पुस्तकालय त्वरित विकास के चरण में है। थोड़े से समय में ही पुस्तकालय ने अभियांत्रिकी, विज्ञान और मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान पर लगभग 3000 पाठ्यपुस्तकें और संदर्भ पुस्तकें प्राप्त कर ली हैं। पुस्तकालय 30 लोकप्रिय पत्रिकाओं और जर्नलों को भी मंगवाता है और उन तक पहुंच प्रदान करता है। यह पुस्तकालय ई-रिसोर्सेज पर जोर देते हुए अधिगम संसाधनों के अपने संग्रह को बढ़ाने की प्रक्रिया में निरंतर प्रयासरत है। यह पुस्तकालय ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटालॉग (ओपीएसी) के साथ कोआ ओपन सोर्स समेकित पुस्तकालय सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए पुस्तकालय ऑटोमेशन प्रणाली की आधुनिक प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है।

यह पुस्तकालय राष्ट्रीय अवकाश के दिनों को छोड़कर वर्ष भर सातों दिन प्रातः 8:30 बजे से सांय 09:00 बजे तक खुला रहता है:

31 मार्च 2017 के अनुसार पुस्तकालय का कुल संग्रह बौद्धिक परिसंपत्तियां निम्नानुसार है:

• पुस्तकें	3000	• सीडी-रोम	50
• पत्रिकाएं और जर्नल	30	• ई-जर्नल	16
• समाचार पत्र	10		

वर्ष 2016-17 के दौरान निम्न लिखित ई-संसाधनों की खरीद की गई

### सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक डाटाबेस

- एसीएम डिजिटल पुस्तकालय
- एसएसएमई पत्रिका संकलन
- एएससीई जर्नल कलेक्शन
- एपीएस पैकेज

### ई मानक

- बीआई मानक
- एएसटीएम मानक

### ई-ग्रंथ सूची डेटाबेस

- मैथसाईनेट

### संगठनात्मक सदस्यता

संस्थान का केंद्रीय पुस्तकालय आईएनएसडीएजी (इस्पात विकास एवं वृद्धि संस्थान) कोलकाता का संस्थागत सदस्य बन गया है और यह वर्ष 2017 के लिए करंट साईंस एसोसिएशन, बंगलौर का भी संस्थागत आजीवन सदस्य है।

### ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम सदस्यता

केंद्रीय पुस्तकालय ई-शोध सिंधु कंसोर्टियम का भी सदस्य है।

### आयोजित कार्यशाला

केंद्रीय पुस्तकालय ने 11 और 12 मई 2017 को पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर केंद्र के कर्मचारियों के लाभार्थ कोआ पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन किया। कई अन्य इंजीनियरिंग कॉलेज के पुस्तकालयाध्यक्षों ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया।

### कार्यशाला भागीदारी

केंद्रीय पुस्तकालय के कर्मचारियों ने केंद्रीय पुस्तकालय आईआईटी खड़गपुर और आयोजना एवं वास्तुकला विद्यालय, विजयवाड़ा के पुस्तकालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "डिजिटल पुस्तकालय के लिए संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी" विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

# शोध प्रकाशन और उपलब्धियां

आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्य मौजूदा पाठ्यक्रमों के उनके विषयों में भविष्य की अपेक्षाओं का पूर्वानुमान करते हुए नए पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या तैयार करने और जोड़ने, शिक्षण एवं गहन शोध का नवाचार करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं। अवर स्नातक पाठ्यक्रमों के शिक्षण के लिए अपेक्षित अवसंरचना की स्थापना के अतिरिक्त साथ-साथ आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्य अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जर्नलों, सम्मेलनों में अपने शोध परिणाम प्रकाशित प्रस्तुत करने तथा शोध में रत हैं। शोध पत्र के प्रकाशन एवं सम्मेलन एवं संगोष्ठियों में उनकी प्रस्तुति प्रतिवेदन के इस अध्याय के मुख्य आकर्षण केन्द्र हैं।

## 5.1 प्रकाशित शोध दस्तावेज

### जर्नल

- **देशमुख, पी.सी.**, पिल्ले, के. जे., राजू, टीएस, दत्ता, एस. और बनर्जी, टी. (2017) "जीटीआर कंपोनेंट ऑफ प्लानेटरी प्रीसीसन", रिजोनेन्स खंड 22, अंक 6, पीपी 577-596
- गनेशन, ए, **देशमुख, पी.सी.**, और मैनसन, एस टी. (2017) "फोटोआयोनाइजेशन ऑफ एटॉमिक बेरियम सबशैल्स इन द 4डी थ्रेसहोल्ड रीजन यूजिंग द रिलेटिविस्टिक मल्टी-कॉन्फिगुरेशन टेम-डानकॉफ एप्रोक्सीमेशन" फिजिकल रिव्यू ए 95, 033417
- नरसिममूर्ति, एम., माने, आर जी, रॉबी चाको, गुमा, ए.के., **देशमुख, पी.सी.**, और अरविंद, जी। (2016)। "कोलीजन डिस्ट्रक्शन ऑफ एफआईसी-एन (एन = 1 से 4, 6) ऐनिअन्स ऑफ एस्ट्रोफिजिकल रिलेवेंस" द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल, वॉल्यूम 833, अंक 2, पीपी 269।
- कुमार, ए, वर्मा, एचआर,**देशमुख, पी.सी.**, मैनसन, एस टी., डोलमाटोव, वी.के., और खेफीट, ए. (2016)। "विगनेर फोटोइमिशन टाइम डिले फ्रॉम एंडोहेड्रालेनियस" फिजिकल रिव्यू ए 94, 043401।
- काहेफेट्स, ए, मंडल, ए, **देशमुख, पी.सी.**, डोलमेटोव, वी.के., कीटिंग, डी. ए. और मैनसन, एस टी. (2016) "रिलेटिविस्टिक कैलकुलेशंस ऑफ एंगल-डिपेंडेंट फोटोइमिशन टाइम डिले" रिव्यू ए 94, 013423
- श्रीनिवासु, डी. एस., और **वेंकैया, एन.** (2017) "मिनिमम जोन इवेल्यूएशन ऑफ राउंडनेस यूजिंग हाइब्रिड ग्लोबल सर्च एप्रोच" उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकी इंटरनेशनल जर्नल, वॉल्यूम 92, अंक 5-8, पीपी 2743-2754
- सुरेश, सी.के.एच., **सुबिद अली**, एस.के., मजूमदार, बी, और सिनानोग्लू, ओ. (2016) "ए कम्पेरेटिव सिक्चरिटी एनालिसिस ऑफ करंट एंड इमरजिंग टेकनोलॉजीस" आईईईई माइक्रो, खंड 36, अंक 5, पीपी 50-61

- मोजिन्जर , यू. रेसेमैन, ए. मार्टिन, सीई, परमेस्वारप्पा, एस, **सुब्रहमण्यन गोविंदन**, वामहोफ, ईसी, ब्रॉकर, एप, सूकाऊ, डी, परेरा, सीएल, अनीश, सी, सीबर, पीएच, और कोलारिच, डी (2016) "क्रॉस रिएक्टिव मटेरियल 197 ग्लाइकोकैन्जुगेट वेक्सीन कंटेन प्रीविलेजड कंजुगेषन साइटस" वैज्ञानिक रिपोर्ट, 6, (नेचर पब्लिशिंग ग्रुप), अनुच्छेद संख्या 20488य डीओई: 10.1038 एसआरईपी 20488
- **ऑरगेंटी, एस के.** कैराखमेट, ओ., हीओ, एसएच, ली, ब वाई।, पार्क, डब्ल्यू, एसईओ, एस और बीएन, एफ (2016) "इवानसेंट मोड पॉवर-ट्रांसफर एंड कम्यूनिकेशन टेक्नॉलजी फॉर इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइस चार्जिंग ओवर मेटल सर्फेस" **न्न** 도대한전자공학회 하계 종합 학술대회, पीपी 1633-1636

## सम्मेलन

- **पी. मोहनप्रिया**, एन. पद्मनाथन, आर. प्रदीप कुमार, टीएस नटराजन ने अमेरिकी एडवांस्ड मैटेरियल्स कांग्रेस, मियामी संयुक्त राज्य अमेरिका में "सिंथेसिस ऑफ एफ-ई डोपड एसएनओ2 हॉलो नैनोफाईबर्स फॉर मेगनेटो-ऑप्टिकल एप्लीकेशनस बाइ ए फेसाइल सिंगल केपिलरी इलेक्ट्रोस्पिनिंग मेथड" संबंधी एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, 4- 9 दिसंबर 2016
- अंकुर मंडल और **पीसी देशमुख** ने परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी संबंधी 21वीं राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएमपी-एक्सएक्सआई), फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी, अहमदाबाद, भारत में "कन्फाइनमेंट इफेक्टस ऑन ईडब्लएस टाइम डिले इन फोटोआयोनाइजेशन: एन एंगल रिजोल्वड स्टडी" 3-6 जनवरी, 2017
- ए गणेशन, एस., साहा, **पीसी देशमुख**, स्टीवन टी. मैनसन और एस खेफेट ने परमाणु, आणविक के एपीएस डिवीजन की 47वीं वार्षिक बैठक में परमाणु, मॉलीकुलर और ऑप्टिकल फिजिक्स में, रोड आइजलैंड कनवेंशन सेंटर, प्रोविडेंस, रोड आइलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका में "इलेक्ट्रान कोरिलेशन इफेक्टस ऑन फोटोआयोनाइजेशन टाइम डिले इन एटोमिक एआर एंड एक्सई" मई 23-27, 2016।
- अंकुर मंडल, **पीसी देशमुख**, स्टीवन टी. मैनसन अनैन्ज अनातोली एस. खेफेट ने 47वीं आणविक, मॉलीकुलर और आप्टिक्स फिजिक्स बैठक में "एंगुलर डिपेंडेंस ऑफ विग्रर टाइम डिले: रिलेटिविस्टिक इफेक्टस" शीर्षक का एक शोध कागज प्रस्तुत किया, रोड आइजलैंड कनवेंशन सेंटर, प्रोविडेंस, रोड आइलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, 23-27 मई, 2016
- एस. साहा, जे. जोस, **पीसी देशमुख**, स्टीवन टी. मैनसन और एनाटोली एस. खेफेट ने 47वीं आणविक, मॉलीकुलर और आप्टिक्स फिजिक्स बैठक में विग्रर टाइम डिले इन फोटो डिटेचमेंट ऑफ नेगेटिव आयनस" शीर्षक का एक शोध कागज प्रस्तुत किया, रोड आइजलैंड कनवेंशन सेंटर, प्रोविडेंस, रोड आइलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, 23-27 मई, 2016
- ए. मंडल, **पीसी देशमुख** स्टीवन टी. मैनसन और ए.एस. खिफेट ने सीओएक्स ऑडिटोरियम, सियाॉल, दक्षिण कोरिया में आयोजित परमाणु भौतिकी पर 25वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "विग्रर टाइम डिले नियर डाईपोल फोटोआयोनाइजेशन कूपर मिनिमा:इफेक्टस ऑफ क्वाड्रूपल चैनलस ' में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया 24-29 जुलाई, 2016
- ए गणेशन और **पीसी देशमुख** ने परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी (एनसीएमपी-एक्सएक्सआई), फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी, अहमदाबाद, भारत पर 21वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में "फोटोआयोनाइजेशन स्टडी ऑफ बेरियम सबशैल्स इन द रीजन ऑफ 4डी थ्रैसहोल्ड" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया। 3-6 जनवरी, 2017
- एस बनर्जी और **पीसी देशमुख** ने "डिटरमीनेशन ऑफ फोटोइमीशन टाइम डिले यूजिंग द आरआरपीए-रिलेटिविस्टिक एंड नॉन-रिलेटिविस्टिक रिजल्टस फॉर आउटर एनपी-सबशैल्स ऑफ एआर, केआर एंड एक्सई" शीर्षक से परमाणु, आणविक और ऑप्टिकल भौतिकी विषय पर 21वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में (एनसीएमपी-एक्सएक्सआई), फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी, अहमदाबाद, भारत, में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया 03-06 जनवरी 2017।



- एस. साहा, जे. जोस और **पीसी देशमुख** ने परमाणु, आण्विक और ऑप्टिकल भौतिकी (एनसीएमपी-एक्सएक्सआई), फिजिकल रिसर्च लैबोरेटरी, अहमदाबाद, भारत में 21वीं राष्ट्रीय सम्मेलन में "विग्र टाइम डिले इन फोटो डिटेचमेंट ऑफ टीएम" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया, 03-06 जनवरी 2017
- श्रीनिवास राव एम और **एन. वेंकैया** ने एनआईटी वारंगल द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेशनल और 18वें सम्मेलन (आईएसएमई -18) में "एक्सपेरीमेंटल इन्वेस्टिगेशन ऑन री-कास्ट लेयर थिकनेस एंड माइक्रो-हार्डनेस ऑफ वेडमेड सर्फेसेज ऑफ निमोनिक-263" शीर्षक के साथ एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। 23-25 फरवरी, 2017
- श्रीनिवास राव एम और **एन. वेंकैया** ने एनआईटी तिरुचिरापल्ली द्वारा आयोजित सामग्री और विनिर्माण इंजीनियरिंग में इमर्जिंग ट्रेड्स के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मॉडीफाइड फ्लार पोलिनेशन एलगोरिथम टू आप्टीमाइज वेडएम पैरामीटर्स वाइल मैचिंग इनकोनेल- 690 एल्योय शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया" 12 मार्च, 2017
- डीटी सरतचंद्र, एस. कनमरनी सुबु, **एन. वेंकैया** ने एनआईटी वारंगल द्वारा आयोजित पहले अंतर्राष्ट्रीय और 18वीं राष्ट्रीय भारतीय सोसाइटी मैकेनिकल इंजीनियर्स कॉन्फ्रेंस (आईएसएमई -18) में "थर्मल डिफोरमेशन ऑफ एग्रीकल्चर ब्रीक्वेट माउलड यूजिंग फाइनाई एलीमेंट एनालिसिस" शीर्षक का एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। 23-25 फरवरी, 2017
- डीटी सरतचंद्र, एस के सुबु, **एन. वेंकैया** ने एनआईटी तिरुचिरापल्ली द्वारा आयोजित सामग्री और विनिर्माण इंजीनियरिंग में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएमएमई 17) में "मॉडलिंग एंड एनालिसिस ऑफ फंक्शनली ग्रेडिड सिलेंड्रिकल शैल" शीर्षक का एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, 10-12 मार्च, 2017
- **एसके सुबिद अली**, एम. इब्राहिम, ओ. सिनानगुल्लू, के. चक्रवर्ती और आर. करी ने आईईईई बायोमेडिकल सर्किट्स एंड सिस्टम्स कॉन्फ्रेंस (बायोसास 2016), में "माइक्रोफ्ल्युडि एन्क्रिप्शन ऑफ ऑन-चिप बायोकेमिकल एशेज" शीर्षक का शोध पत्र प्रस्तुत किया, पृष्ठ 152-155,
- **एम. अवुलापति**, आर. पॉस, ए. मेगरियाटिस, जे. जिया और एलसी गणिप्पा ने "केरेक्टरस्टिकस ऑफ हाई-प्रेसर इथेनोल स्प्रे फ्लेमज इन डीजल इंजिन लाइक एनवॉयरमेंट यूजिंग ऑप्टिकल डायग्नॉस्टि" संबंधी एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, आईएलएसएस-एशिया 2016, चेन्नई, नवम्बर 2016
- आई डी. सी. रुइज-रोड्रिगज, **एम. अवुलापति** और एल. सी. गणिप्पा ने "लाइक-ऑन लाइक इम्पीनजमेंट एंड एटमाइजेशन ऑफ हाइली विस्कस फ्लूड" संबंधी एक शोध पत्र प्रस्तुत किया आईएलएसएसएस-एशिया 2016, चेन्नई, नवम्बर 2016

## 5.2 संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा प्रदत्त आमंत्रित व्याख्यान

- **प्रोफेसर के. कृष्णैया** ने 21 अप्रैल, 2016 को एसवीयूसीई, एस वी यूनिवर्सिटी, तिरुपति, में रिसर्च मेथोडोलॉजी और रिपोर्ट लेखन पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- **प्रोफेसर के. कृष्णैया** ने 28 जुलाई, 2016 को आईआईआईटीडीएम कंचिपुरम, मेलाकाट्टैयूर ऑफ वंदलुर केलंबककम रोड, चेन्नई 600127 (कांचीपुरम और कर्नूल छात्रों के लिए) में "इंजीनियरिंग क्या है?" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- **प्रोफेसर के. कृष्णैया** ने एक इन्प्रायर कार्यक्रम में "विज्ञान क्या है?" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, चाडलावाड़ा, रमनम इंजीनियरिंग कॉलेज, चादलावाडा नगर, रेनिगुन्टा रोड, तिरुपति, दिसंबर, 2016।
- **प्रोफेसर पी.सी. देशमुख** ने जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा, भारत में 20 दिसम्बर, 2016 को "वाई डू थिंग्स हैपन द वे दे डू? - एन इन्ट्रोडक्शन टू क्लासिकल एंड क्वान्टम लॉस ऑफ नेचर फॉर ले पर्सन्स" संबंधी एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- **प्रोफेसर पी.सी. देशमुख** ने 21 दिसंबर, 2016 को जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा, भारत में "कम्प्लेक्स बिहेवियर ऑफ सिम्पल सिस्टमस-रूडीमेंटस ऑफ केओस थ्योरी" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- **प्रोफेसर वी. राघवेन्द्र** ने 26 दिसम्बर से 31 दिसंबर, 2016 तक श्री सत्य साई इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग में आयोजित "यूजी छात्रों के लिए गणित में राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण विद्यालय" में कई व्याख्यान दिए।
- **प्रोफेसर वी. राघवेन्द्र** ने 16-23 फरवरी, 2017 के दौरान आईआईटी पटना में "सोबॉलेव स्पेस" पर कार्यशाला में प्रमुख संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिए।
- **प्रोफेसर वी. राघवेन्द्र** ने 31 जनवरी से 5 फरवरी 2017 के दौरान "डियूजन एंड सब डियूजन प्रॉब्लम्स थ्योरी न्यूमेरिकस एंड एप्लीकेशन्स" (डब्ल्यूडीएसडीपीटीएनए -2017) पर एक उन्नत स्तर की कार्यशाला में प्रमुख संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिए।
- **प्रोफेसर के. कृष्णैया** ने छात्र टेकफेस्ट, राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी (आरजीआईपीटी), राय बरेली में "21वीं सदी में रसायन इंजीनियरिंग" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, 17 फरवरी, 2017
- **प्रोफेसर पी. सी. देशमुख** ने 23 मार्च, 2017 को कनाडा के वेस्टर्न ऑंटारियो विश्वविद्यालय द्वारा हैदराबाद में आयोजित खगोल विज्ञान के शीतकालीन विद्यालय में "प्रीसीसन ऑफ प्लेनेटरी ऑरबिट्स इन जनरल रिलेटिविटी" पर एक व्याख्यान दिया।

### 5.3 पुरस्कार और उपलब्धियां

आईआईटी तिरुपति के वरिष्ठ प्रोफेसरों को अक्सर शिक्षण शोध और समाज में योगदान में उनकी उत्कृष्टता के लिए सम्मान दिया जाता है। वर्ष 2016-17 के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए गये:

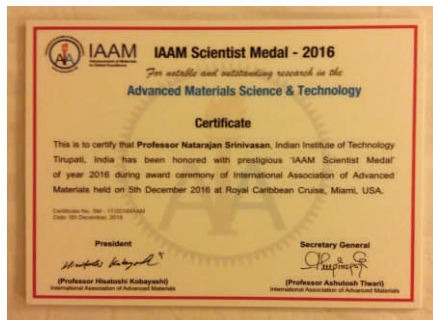
- **डॉ. टी.एस. नटराजन**, भौतिकी प्राध्यापक, आईआईटी तिरुपति ने हाल ही में शैक्षिक संस्थाओं में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए केजी फाउंडेशन, कोयम्बटूर द्वारा "प्रबुद्ध वैज्ञानिक" विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्राप्त किया।



प्रो. टी.एस. नटराजन, केजी फाउंडेशन से प्रख्यात वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त करते हुए



प्रो. टी.एस. नटराजन को वर्ष 2016 के लिए 'आईएएम वैज्ञानिक पदक से पुरस्कृत किया गया



- प्रो. टी.एस. नटराजन को रॉयल कैरिबियन क्रूज, मायामी, यूएसए द्वारा दिनांक 5 दिसंबर, 2016 को अमेरिकन एडवान्सड मटीरियल्स सम्मेलन में वर्ष 2016 के लिए प्रतिष्ठित आईएएम वैज्ञानिक पदक से सम्मानित किया गया।
- डॉ. के. कृष्णैया, प्राध्यापक आईआईटी तिरुपति ने हाल ही में इंजीनियरिंग शिक्षा और शोध में उनके उत्कृष्ट आजीवन योगदान के लिए 'आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त किया।

# राष्ट्रीय पहले

## स्वयम् प्रभा मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक पहल

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 1 जनवरी 2017 को स्वयम् प्रभा चैनल नामक 32 डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) शैक्षणिक चैनल आरंभ किए जो जीएसएटी-15 ट्रांसपॉंडरों का प्रयोग करते हुए 24x7 आधार पर पूर्णतः उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रसारण हेतु समर्पित हैं। इनमें से दो चैनल नामतः चैनल 18 (भौतिकी, धातुकर्मी और खनन) और चैनल 30 (गणित) का समन्वय आईआईटी तिरुपति द्वारा किया जा रहा है। डॉ. टी.एस. नटराजन, प्राध्यापक आईआईटी तिरुपति इन चैनलों के सह-समन्वयक हैं। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने इन चैनलों को आरंभ करने के लिए पहले तीन वर्ष की अवधि हेतु आईआईटी तिरुपति को 10 लाख रूपए का आरंभिक बजट आबंटित किया। व्याख्यान का चयन श्रोताओं अथवा प्रशिक्षुओं की व्यापक श्रेणी के हित को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। तथापि आरंभिक व्याख्यान अधिकांशतः इंजीनियरिंग के बी.ई, बी.टेक के स्तरों के हैं। प्रोन्नत विषयों पर भी कुछ पाठ्यक्रम हैं जो स्नातकोत्तरों और पीएच.डी स्तर के छात्रों के संगत होंगे। शैक्षिक विषय-वस्तु तैयार करने के लिए परिसर में पूर्णतः वीडियो रेकॉर्डिंग स्टूडियो की स्थापना की एक योजना है।

## 6 नए आईआईटी की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना

6 नए आईआईटी की स्थापना हेतु विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) परामर्शदाता संस्थानों के प्रतिनिधियों द्वारा तैयार की गई। नए आईआईटी और उनके परामर्शदाता संस्थानों की सूची निम्नानुसार है:

- आईआईटी पालक्काड़ और आईआईटी तिरुपति (आईआईटी मद्रास द्वारा निर्देशित)
- आईआईटी भिलाई (आईआईटी हैदराबाद द्वारा निर्देशित)
- आईआईटी धारवाड़ और आईआईटी गोवा (आईआईटी बॉम्बे द्वारा निर्देशित)
- आईआईटी जम्मू (आईआईटी दिल्ली द्वारा निर्देशित)

प्रो. के.एन. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति ने इन डीपीआर को तैयार करने के लिए समन्वय किया। तैयार किए गए डीपीआर अगले सात वर्षों (2017-2024) में निर्मित किए जाने वाले 2500 छात्रों की क्षमता वाले परिसरों के लिए नए आईआईटी के स्थायी परिसरों पर बजट प्रस्तुत करते हैं। इन डीपीआर में 20 वर्ष की अवधि में 10,000-12,000 छात्रों के आवास हेतु आगामी परिसरों की भविष्य की वृद्धि के लिए आवश्यक मूल्य अवसंरचना शामिल है। डीपीआर में (क) अवसंरचना निर्माण (ख) उपकरण लागत और (ग) आवर्ती लागत शामिल हैं। डीपीआर में यह परिकल्पना की गई है कि प्रत्येक संस्थान में अगले सात वर्षों के भीतर लगभग 11 विभाग (7 इंजीनियरिंग विभाग, 3 विज्ञान विभाग और 1 मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग होगा।

डीपीआर व्यय वित्त समिति (ईएफसी), वित्त मंत्रालय तथा मंत्रिमंडल के अनुमोदनार्थ मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।

# शैक्षिक आयोजन

शैक्षिक वर्ष 2016-17 में आईआईटी तिरुपति ने संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों का विश्व के विद्वानों तथा उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ मेल-मिलाप हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया। इसके अतिरिक्त आईआईटी तिरुपति समुदाय के लाभार्थ संस्थान ने वार्ता और विशेष व्याख्यानों के लिए शैक्षिक एवं उद्योग जगत के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया। दूसरे बैच के छात्रों के लिए संस्थान और पाठ्यचर्या का परिदृश्य प्रदान करने हेतु शैक्षिक वर्ष के दौरान एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## 7.1 आयोजित कार्यशालाएं, सम्मेलन और संगोष्ठी

### एनपीटीईएल (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी प्रोन्नयन अधिगम कार्यक्रम) संबंधी कार्यशाला

आईआईटी तिरुपति ने 30 जून, 2016 को "एनपीटीईएल (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी प्रोन्नयन अधिगम कार्यक्रम) के संबंध में आईआईटी मद्रास के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का मुख्य ध्यान केंद्र विभिन्न अभियांत्रिकी, कॉलेजों से आये शिक्षकों को ओपन ऑनलाइन कोर्सेज से परिचित कराना था।



कार्यशाला में व्याख्यान देते हुए एक विशेषज्ञ



कार्यशाला सत्र के दौरान आयोजकों की एक तस्वीर

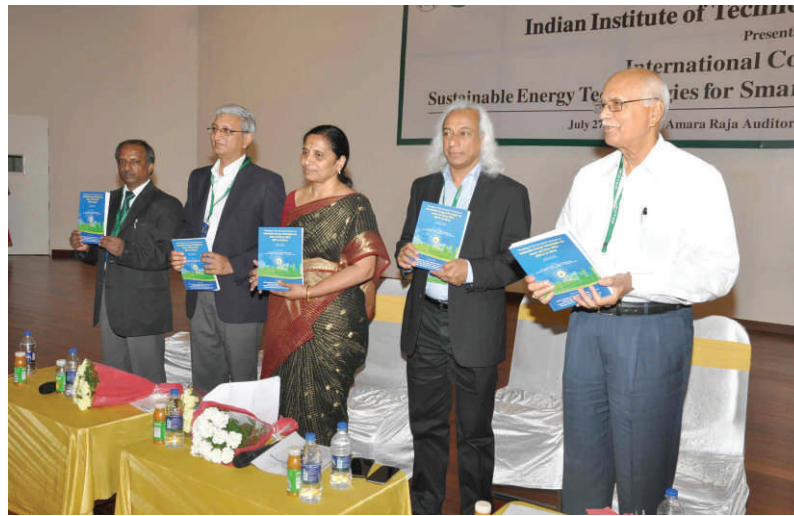
### “स्मार्ट एवं स्वच्छ शहरों के लिए सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकियां, (एसईटीएस और सीसी-2016)” संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति ने अमरराजा बैटरीज लिमिटेड, कृष्णा तेजा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन, तिरुपति नगर निगम और सदरन यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से दिनांक 27-29 जुलाई, 2016 को ‘स्मार्ट एवं स्वच्छ शहरों के लिए सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी, (एसईटीएस और सीसी-2016)’ संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन अमरराजा सभागार, करकमबाड़ी, तिरुपति, आंध्र प्रदेश, भारत में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन स्मार्ट शहरों के संदर्भ में सतत ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विषय को हल करने के लिए शैक्षिक, उद्योग जगत, नीति निर्माताओं की परस्पर भागीदारी वाला अपने किस्म का पहला सम्मेलन था।

आयोजकों को समूचे विश्व से अति उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और उन्होंने 250 शोध पत्र प्राप्त किए जिसमें से तकनीकी समिति ने सम्मेलन में प्रस्तुति और विचार-विमर्श हेतु 196 शोध पत्रों का चयन किया। यूएसए, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, चीन, सउदी अरब, और भारत के शैक्षिक एवं उद्योग जगत के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और व शोध पत्र प्रस्तुत किये। स्मार्ट और स्वच्छ शहरों की मूल आवश्यकताओं के अनुरूप सम्मेलन के विषय पर अधिकतम संख्या में प्रस्तुतियों के संचालन हेतु 18 समानांतर सत्रों का संचालन किया गया।



प्रो. के.एन. सत्यनारायण, सम्मेलन अध्यक्ष, मुख्य अतिथि रेजी कुमार पिल्लई, इंडियन स्मार्ट ग्रिड फोरम (आईएसजीएफ) के अध्यक्ष का स्वागत करते हुए



सम्मेलन की कुछ झलकियां

### एटोमिक एवं मालीकूलर भौतिकी संगोष्ठी

प्रो. पी.सी. देशमुख ने 8 मार्च, 2017 को आईआईटी तिरुपति में एटोमिक एवं मालीकूलर भौतिकी संबंधी एक इन-हाउस संगोष्ठी का आयोजन किया।

### 7.2 शैक्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम

मौजूदा शैक्षिक सत्र एक उन्मुखीकरण कार्यक्रम के साथ आरंभ हुआ। नए आने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों को आईआईटी तिरुपति में शिक्षा प्रणाली से परिचित करवाया गया और प्रवेश लेने वाले नए छात्रों को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आगामी कॉलेज जीवन के 4 वर्षों के लिए तैयार रहने के बारे में बताया गया। दूसरे बैच के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम 1 अगस्त, 2016 को आयोजित किया गया। छात्रों को आईआईटी तिरुपति के परामर्शदाता निदेशक प्रो. भास्कर राममूर्ति (निदेशक, आईआईटी मद्रास), प्रो. के.एन. सत्यनारायण



छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम 2016-17 में छात्र और उनके अभिभावक

(प्रभारी प्रोफेसर, आईआईटी तिरुपति) और संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा संबोधित किया गया। छात्रों से आईआईटी तिरुपति से उनकी आशाओं को व्यक्त करने के लिए कहा गया। दोपहर के भोजन के पश्चात् के सत्र में छात्रों ने अपने शैक्षिक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण करवाया। भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारियों ने संस्थान में पंजीकरण करवाने वाले छात्रों को शैक्षिक ऋण का प्रस्ताव किया। उन्मुखीकरण कार्यक्रम की कुछ फोटो नीचे दी गई हैं:



परामर्शदाता निदेशक प्रो. भास्कर राममूर्ति छात्रों एवं उनके अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए



छात्र उन्मुखीकरण कार्यक्रम 2016-17 में छात्र और उनके अभिभावक

### 7.3 वार्ता/आमंत्रित वार्ताएं

संकाय सदस्यों और छात्रों के लाभ हेतु संस्थान ने विभिन्न विषयों पर विशेष वार्ताएं प्रदान करने के लिए विश्व भर से विद्वानों को आमंत्रित किया। इन आमंत्रित वार्ताओं की सूची नीचे दी गई है:

- **डॉ. सतीश टीएस बुक्कापट्टनम**, रॉकवेल अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेसर, टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय ने 10 अगस्त, 2016 को "मैन्यूफैक्चरिंग फॉर ह्यूमन वेलनेस एण्ड अ वेअरेबल रिवाल्युशन" पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- **डॉ. विशाल सारस्वत**, आरसी बोस क्रिप्टोलॉजी और सिक्वोरिटी केंद्रीय, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता, भारत के विजिटिंग वैज्ञानिक ने 4 जनवरी, 2017 को "क्रिप्टोग्राफी और सूचना एवं साइबर सुरक्षा में इसका प्रयोग" संबंधी संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **डॉ. लक्ष्मी**, प्रमुख, मार्केटिंग और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, सी-डॉट बंगलौर ने 4 जनवरी 2017 को "रिसेन्ट ट्रेन्ड्स इन टेलिकॉमरु हाड टू कनेक्ट द अनकनेक्टेड" पर वार्ता प्रदान की।
- **प्रो. टी.एस. नटराजन**, भौतिकी विभाग, आईआईटी तिरुपति ने 11 जनवरी, 2017 को "इलेक्ट्रोस्पिनिंग" पर एक संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **प्रोफेसर वी. राघवेंद्र**, गणित विभाग, आईआईटी तिरुपति ने 18 जनवरी, 2017 को "फोरिअर सीरीज पर झलक" पर एक संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **प्रोफेसर सदानंद गोखले**, निदेशक, एलएनएम इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी, जयपुर ने 23 जनवरी, 2017 को "इंजीनियरिंग शिक्षा में नए प्रतिमान" पर वार्ता प्रदान की।



श्री ग्लेन रॉबिन्सन विशेष  
वार्ता प्रदान करते हुए



प्रो. सतीष टी.एस.  
बुककापटनम का प्रो. एन.एन.  
किशोर द्वारा स्वागत



- **डॉ प्रसन्ना वी संपत**, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी तिरुपति ने 1 फरवरी, 2017 को "अन्डरस्टैंडिंग फेन हाइड्रॉलजी-अ डेटा इंटेन्सिव ग्राउंड वाटर मॉडलिंग अप्रोच" पर संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **डॉ.एन रवि चन्द्र राजू**, पोस्ट डॉक्टरेट फेलो, क्वींसलैंड विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया ने 15 फरवरी, 2017 को "मेटल हलाइड पेरोस्काइट्स: अ न्यू फेमिली ऑफ सेमिकन्डक्टर्स फॉर फोटोवोल्टाइ" संबंधी एक संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **श्री ग्लेन रॉबिन्सन** एक्सएलआर 8 आंध्र प्रदेश के प्रबंध निदेशक ने 22 फरवरी, 2017 को एक विशेष इंटरैक्टिव संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **प्रोफेसर एस. आर. वल्लुरी**, भौतिक विज्ञान और खगोल विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ओन्टेरियो, लंदन, कनाडा ने 24 फरवरी, 2017 को "ऐन ओवरव्यू ऑफ रिमाकेबल लैंबर्ट डब्ल्यू फंक्शन" संबंधी एक संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **डॉ. मदन मोहन अवुलापति**, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी तिरुपति ने 1 मार्च 2017 को "लिक्विड स्प्रे: ऑटोमोटिव ईंधन इंजेक्शन पर ध्यान केंद्रीय करते हुए एप्लीकेशन और डायग्नोस्टिक" पर एक संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **प्रोफेसर एस. टी. मैन्सन**, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, अटलांटा, यूएसए ने 8 मार्च, 2017 को "द फिजिक्स ऑफ एटम्स: वेअर वीआर एण्ड वेअर वीआर गोइंग" संबंधी एक संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।
- **प्रोफेसर देशदीप सहदेव**, कार्नेल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ पैनसिलवानिया तथा अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र, इटली में प्रमुख समूह में पार्टिकल थ्योरिस्ट ने 22 मार्च, 2017 ने "रिजॉल्विंग एटम्स एण्ड अ लॉट मोर इन अवर ओन बैकग्राउंड्स" संबंधी एक संबोधन वार्ता प्रस्तुत की।

## संस्थान गतिविधियां

आईआईटी तिरुपति अपने छात्रों के सम्पूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2016-17 में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवधि के दौरान संस्थान ने कई महत्वपूर्ण आयोजन किये जैसे कि शिक्षक दिवस समारोह, माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री प्रकाश जावड़ेकर का परिसर का दौरा इत्यादि। वर्ष 2016-17 में संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों के बारे में नीचे दिया गया है।

### प्रथम संस्थान दिवस

आईआईटी तिरुपति का पहला संस्थान दिवस 12 अप्रैल 2016 को आयोजित किया गया। डॉ. गाला रामचंद्र नायडू, अध्यक्ष, अमरराजा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज इस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। प्रो. भास्कर राममूर्ति, परामर्शदाता निदेशक, आईआईटी तिरुपति ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के.एन. सत्यनारायण, प्रभारी आईआईटी तिरुपति के स्वागत भाषण के साथ यह गतिविधि औपचारिक रूप से आरंभ हुई जिसके पश्चात् परामर्शदाता निदेशक और मुख्य अतिथि ने भाषण दिए।



प्रथम संस्थान दिवस समारोह



छात्रों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया और विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। अंत में प्रो. के. कृष्णैया द्वारा धन्यवाद दिया गया।

छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पुरस्कार वितरण का एक दृश्य

## स्वतंत्रता दिवस समारोह

आईआईटी तिरुपति में संस्थान के समारोह के रूप में 70वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया। प्रो. के.एन. सत्यनाराण, संस्थान के प्रभारी प्राध्यापक ने अस्थायी परिसर के मुख्य भवन के सामने मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और स्वतंत्रता दिवस भाषण दिया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों ने उत्साह के साथ समारोह में भाग लिया।



स्वतंत्रता दिवस समारोह के कुछ दृश्य

## शिक्षक दिवस समारोह

प्रो. एम.एस. अनंत, पूर्व निदेशक, आईआईटी मद्रास को संस्थान में शिक्षक दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में तथा साथ ही रसोई-सह-भोजनालय के उद्घाटन के लिए 6 सितंबर, 2016 को आमंत्रित किया गया।



प्रो. एम.एस. अनंत, आईआईटी तिरुपति में शिक्षक दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में

## माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर द्वारा आईआईटी तिरुपति का दौरा

श्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने 12 सितंबर 2016 को आईआईटी तिरुपति का दौरा किया और आईआईटी तिरुपति तथा आईआईएसईआर के संकाय सदस्यों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श सत्र किए। उन्होंने "एक विश्व स्तर के शोध संस्थान का निर्माण कैसे करें?" के संबंध में सभी संकाय सदस्यों के सुझाव आमंत्रित किए।



प्रो. भास्कर राममूर्ति, परामर्शदाता निदेशक, आईआईटी तिरुपति, माननीय एचआरडी मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर का स्वागत करते हुए



माननीय एचआरडी मंत्री श्री प्रकाश जावड़ेकर, आईआईटी तिरुपति और आईआईएसईआर तिरुपति के संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए

## श्री आर. सुब्रह्मण्यम, आईएएस, अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय का दौरा

अपर सचिव (तकनीकी शिक्षा), एमएचआरडी ने प्रो. के.एन. सत्यनारायण, प्रभारी प्राध्यापक, आईआईटी तिरुपति श्री सिद्धार्थ जैन, जिलाधीश, तथा निशांत कुमार, उपजिलाधीश चित्तूर जिला के साथ 24 दिसंबर 2016 को स्थायी परिसर से संबंधित मामलों पर विचार-विमर्श करने के लिए स्थायी परिसर का दौरा किया। उन्होंने आईआईटी तिरुपति के फैकल्टी और कर्मचारियों के साथ पारस्परिक विचार-विमर्श सत्र भी किया।



श्री आर. सुब्रह्मण्यम, आईएएस, अपर सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय आईआईटी तिरुपति का दौरा करते हुए



## आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक, स्टाफ और छात्र फ्रेंच नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता प्रो. सर्ज हरोच के साथ



आईआईटी तिरुपति के प्राध्यापक, स्टाफ और छात्र फ्रेंच नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता प्रो. सर्ज हरोच के साथ

फ्रेंच नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता प्रो. सर्ज हरोच जिन्हें क्वाण्टम फिजिक्स पर उनके कार्य के लिए 2012 में भौतिकी में नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था, ने तिरुपति में आयोजित 104वें भारतीय विज्ञान सम्मेलन में भाग लेने के लिए जनवरी 2017 में तिरुपति की यात्रा की। भारतीय विद्या भवन में लेक्चर बैठक और एंटरैक्टिव सत्र की अध्यक्षता प्रो. के.एन. सत्यनारायण, प्रभारी प्रोफेसर, आईआईटी तिरुपति द्वारा की गई। आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्यों और छात्रों ने आईआईएसईआर तिरुपति में "पॉवर एण्ड स्ट्रेन्जनेस ऑफ द क्वाण्टम इकोहरेसन क्वाण्टम टेक्नॉलजी इन फिजिक्स" शीर्षक के उनके सूचनात्मक व्याख्यान के पश्चात व्यक्तिगत रूप से इस नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता के साथ मेल मिलाप किया।

## प्रो. के.एन. सत्यनारायण ने आईआईटी तिरुपति के संस्थापक निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. के.एन. सत्यनारायण ने 18 जनवरी 2017 को आईआईटी तिरुपति के संस्थापक निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। आईआईटी तिरुपति के परामर्शदाता निदेशक प्रो. भास्कर राममूर्ति, निदेशक, आईआईटी मद्रास ने आईआईटी मद्रास में प्रो. के.एन. सत्यनारायण को निदेशक का कार्यभार सौंपा और 20 जनवरी 2017 को तदंतर आईआईटी तिरुपति के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया।



प्रो. के.एन. सत्यनारायण, आईआईटी तिरुपति के संस्थापक निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण करते हुए।

प्रो. के.एन. सत्यनारायण ने आईआईटी तिरुपति के संस्थापक निदेशक के रूप में 19 जनवरी, 2017 को पहली प्रेस कांफ्रेंस संबोधित की। जिसमें उन्होंने संस्थान के बारे में अपना दृष्टिकोण बताया, कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि वे फास्ट ट्रैक टैक्नॉलॉजी का प्रयोग करते हुए संस्थान के पारगमन परिसर का निर्माण करना चाहेंगे जिससे आवश्यकता के अनुसार परिसर के निर्माण में समय और श्रमिकों में कमी आएगी। उन्होंने संस्थान के ध्रुव क्षेत्रों पर प्रकाश डाला और उल्लेख किया कि संस्थान का दृष्टिकोण स्मार्ट अवसंरचना, खाद्य इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, सामग्री विज्ञान तथा इंजीनियरिंग, ऊर्जा, शैक्षिक प्रौद्योगिकी और डिजाइन में शोध करना है।



आईआईटी तिरुपति के प्रथम निदेशक के रूप में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रो. के.एन. सत्यनारायण

## गणतंत्र दिवस समारोह

आईआईटी तिरुपति में देशभक्ति की भावना के साथ 67वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। प्रो. के.एन. सत्यनारायण, निदेशक, आईआईटी तिरुपति ने राष्ट्रीय झंडा फहराया और एकत्रित लोगों को संबोधित किया। सुरक्षा कर्मियों, संकाय सदस्य स्टाफ और उपस्थित छात्रों ने राष्ट्रीय झंडे को सलामी दी। छात्रों ने राष्ट्रीय एकता और देश के प्रेम संबंधित कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। 'विचार प्रस्तुती' नामक एक गतिविधि में संकाय सदस्य और छात्रों ने लोगों का ध्यान विभिन्न समकालीन मुद्दों पर आकर्षित करने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए। संस्थान के सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने गणतंत्र दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया।



निदेशक, आईआईटी तिरुपति द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण



गणतंत्र दिवस के अवसर पर आईआईटी तिरुपति के छात्रों द्वारा सजाई गई रंगोली



# 9.

## कैम्पस अवसंरचना

### 9. कैम्पस अवसंरचना

अपनी शुरुआत से ही आईआईटी तिरुपति छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए और जब भी आवश्यकता हुई अपने अस्थायी परिसर में नई अवसंरचना सुविधाएं जोड़ता रहा है। एक नया संस्थान होने के नाते आईआईटी तिरुपति के समक्ष निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्थायी परिसर स्थल में नई अवसंरचना स्थापित करने की चुनौती है और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संस्थान स्थायी परिसर स्थल पर पारगमन परिसर के रूप में छात्रावासों, प्रयोगशालाओं और शिक्षण कक्ष परिसर का निर्माण कर रहा है और स्थायी परिसर के लिए मास्टर योजना वास्तुकार की नियुक्ति की प्रक्रिया भी जारी है।

### 9.1 अस्थायी परिसर

#### शैक्षिक भवन

संस्थान का अस्थायी परिसर कृष्णा तेजा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के परिसर में तिरुपति- रेनीगुंटा मार्ग पर स्थित है। यह दो प्रमुख रेलवे स्टेशनों नामतः तिरुपति और रेनीगुंटा रेलवे स्टेशनों तथा तिरुपति के अंतरराज्य बस टर्मिनल से सड़क द्वारा जुड़ा है। यह तिरुपति हवाई अड्डे से मात्र 8 कि.मी. दूर है।



अस्थायी परिसर,  
आईआईटी तिरुपति का  
दृश्य



संस्थान की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अस्थायी परिसर भवन में काफी परिवर्तन किए गए। छात्रों को अधिगम हेतु ईष्टतम वातावरण प्रदान करने के लिए कई नये संसाधनों की स्थापना की गई।

इस परिसर में निम्नलिखित सुविधाओं के साथ 6,000 वर्ग मीटर का भवन शामिल है।

<ul style="list-style-type: none"> <li>राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) वर्चुअल शिक्षण कक्ष</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>कार्यशाला</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>30 सीट शिक्षण-कक्ष - 2</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>कंप्यूटर प्रयोगशाला</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>सभागार - 200 सीट</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>नवाचार प्रयोगशाला</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>60 सीट शिक्षण-कक्ष - 8</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>रसोई-सह-भोजन सुविधा</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>120 सीट शिक्षण-कक्ष - 1</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>कैफेटेरिया</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>फैकल्टी केबिन और लाउंज</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>व्यायामशाला</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>अतिथि संकाय सदस्य कक्ष</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>यात्री लिफ्ट</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>कर्मचारी कक्ष</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>24x7 - पूरे परिसर के लिए 365 दिन डीजी बैकअप</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>शिक्षण सहायक कक्ष</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>आरओ सिस्टम (प्रति घंटे 2x500 लिटर) - पीने और खाना पकाने के उद्देश्य के लिए</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>बैठक कक्ष</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>आउटडोर और इनडोर खेल सुविधाएं</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>बोर्ड रूम</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान की गई हैं</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>केंद्रीयकृत वाई-फाई</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>शिक्षण कक्ष- एयर कंडीशनर स्थापित किया जाना प्रगति पर है, दिसंबर 2017 के अंत तक तैयार होगा</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रशासन कार्यालय</li> </ul>	
<ul style="list-style-type: none"> <li>इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला</li> </ul>	
<ul style="list-style-type: none"> <li>भौतिकी प्रयोगशाला</li> </ul>	
<ul style="list-style-type: none"> <li>रसायन विज्ञान प्रयोगशाला</li> </ul>	

परिसर में छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रसोई एवं भोजन सुविधा के साथ एक नया भवन (लगभग 6000 वर्ग फुट) को फास्ट ट्रैक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए निर्मित किया गया है। रसोई-सह-भोजनालय के लिए प्री-इंजीनयर्ड स्टील भवन का 45 दिन के रिकॉर्ड समय में निर्माण किया गया।



रसोई-सह-भोजनालय के भवन का एक दृश्य

भोजनालय सुविधा का उद्घाटन 6 सितंबर 2016 को प्रो. एम.एस. अनंत, आईआईटी मद्रास के पूर्व निदेशक द्वारा किया गया



प्रो. एम.एस. अनंत द्वारा रसोई-सह-भोजनालय का उद्घाटन

### छात्रावास और अन्य सुविधाएं

संस्थान छात्रों के लिए सभी अपेक्षित सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास करता रहा है ताकि उन्हें अच्छा अधिगम वातावरण और स्वस्थ जीवन शैली प्राप्त हो सके। संस्थान अपने सभी छात्रों को भोजन सुविधा के साथ सुसज्जित छात्रावास प्रदान करता है। सभी जरूरतमंद और योग्य छात्रों को वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्र संस्थान के संरक्षण में विभिन्न क्लबों और सोसायटियों के तत्वाधान में विभिन्न समारोहों का आयोजन करते रहते हैं। शिक्षा और अच्छे स्वास्थ्य के अभिन्न अंग के रूप में खेल क्लब द्वारा समय समय पर खेलों का आयोजन किया जाता है।

### आवास और परिवहन

छात्रों को तीन विभिन्न छात्रावासों में आवास प्रदान किया जाता है इन छात्रावासों में उपलब्ध अवसंरचना तथा सुविधाओं का विवरण नीचे दिया गया है:

1) प्रथम वर्ष के लड़कों का छात्रावास 21वीं शताब्दी गुरुकुलम, श्री वकेंटश्वर विश्वविद्यालय है। यह छात्रावास संस्थान से 13 कि.मी. दूर एलीपीरी के नजदीक स्थित है।

- छात्रावास में 55 डबल अधिभाग कक्षों के साथ दो मंजिला भवनों के दो भवन हैं इसकी कुल क्षमता लगभग 110 छात्र हैं।
- इसमें भोजन-सह-रसोई, आरओ पेयजल सुविधा, वातानुकूलित मनोरंजन कक्ष तथा व्यायामशाला जैसी सुविधाएं शामिल हैं।
- इसके अतिरिक्त छात्रों के लिए खाली समय में खेलने के लिए क्रिकेट अभ्यास नेट, वॉलीबॉल और बैडमिंटन कोर्ट उपलब्ध है।

2) द्वितीय वर्ष के लड़कों का छात्रावास अस्थायी परिसर के नजदीक लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में स्थित है।

- यह लगभग 13,700 वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र में 4 मंजिला वैयक्तिक भवन है।
- 1 बीएचके के 1, 2 बीएचके के 14 और 3 बीएचके फ्लैटों के 1 फ्लैट सहित इस छात्रावास में कुल 16 फ्लैट हैं।
- इसमें आरओ पेयजल सुविधा, लिफ्ट तथा वातानुकूलित मनोरंजन कक्ष सुविधा शामिल है।



एलीपीरी में लड़कों का छात्रावास

3) द्वितीय वर्ष की लड़कियों का छात्रावास अस्थायी परिसर के नजदीक लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में स्थित है

- यह लगभग 9200 वर्ग फुट के निर्मित क्षेत्र में 2 मंजिला वैयक्तिक भवन है।
- इसमें सिंगल बीएचके के 12 और 2 बीएचके फ्लैट के 2 फ्लैटों सहित भवन में कुल 14 फ्लैट हैं।
- यह वातानुकूलित मनोरंजन सुविधा और आरओ पेयजल सुविधा के साथ पूरी तरह से सुरक्षित छात्रावास है।

संस्थान द्वारा छात्रों के लिए छात्रावास और संस्थान से आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा का भी प्रबंध किया गया है। छात्रावासों में संस्थान के मुख्य भवनों से कैम्बियम रेडियो के जरिये कनेक्टेड 24x7 वाई-फाई सुविधा, वार्शिंग मशीन, टीवी, वाटर कूलर, वाटर हीटर, कम्प्यूटर कक्ष और व्यायामशाला है। लड़कों के छात्रावास के कॉमन रूम में 4 डेस्कटॉप कम्प्यूटर्स लगाये गये हैं।

छात्रावासों के लिए इनडोर और आउटडोर खेल खेलने हेतु सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। छात्रों के लिए भारतीय विद्या भवन से उसके मैदान पर शाम को तथा सप्ताहंतों के दिन क्रिकेट और फुटबाल खेलने के लिए अनुमति प्राप्त की गई है। एक संकाय सदस्य, एक स्टाक सदस्य और सहायक स्टाफ के एक सदस्य को छात्रावासों में छात्रों की आवश्यकताओं की देखभाल करने की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है।

### चिकित्सा सुविधाएं

संस्थान ने अपने छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए श्री वेंकटेश्वरा आयुर्विज्ञान संस्थान, एसवीआईएमएस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। छात्रों को 24x7 चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती हैं।

### अतिथि गृह सुविधा

आईआईटी तिरुपति के अतिथि संकाय सदस्य, अतिथियों और अन्य सम्मानित व्यक्तियों की आवास तथा भोजन आवश्यकताओं का पूरा करने के लिए केसीआर टॉवर, गजलक्ष्मी ग्रीन सिटी लेआउट, दामीनेडू, तिरुपति में 5 फ्लैट किराये पर लेते हुए एक अतिथि गृह सुविधा का सृजन किया गया है। इस उद्देश्य के लिए संस्थान के अतिथियों हेतु वाई-फाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के साथ वातानुकूलित 8 डबल ओकूपेंसी और दो सिंगल ओकूपेंसी कमरे हैं। संस्थान के अतिथिगृह में केन्द्रीकृत रसोई-सह-भोजन कक्ष में पृथक खान-पान सेवाएं हैं। उपरोक्त के अतिरिक्त 6 से 12 माह की लंबी अवधि के लिए ठहरने वाले विजिटिंग संकाय सदस्यों के लिए दो बीएचके अपार्टमेंट उपलब्ध करवाये गए हैं।



लक्ष्मीपुरम कॉलोनी में लड़कों और लड़कियों का छात्रावास



केसीआर टॉवर में अतिथिगृह सुविधा

## 9.2 स्थायी परिसर

स्थल चयन समिति (एसएससी) की सिफारिशों के अनुरूप सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से और आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की धारा 93 के अनुसरण में मेरालापाका गांव, येरपेट्टू (मंडल), चित्तूर जिला, आंध्र प्रदेश में एक स्थल पर आईआईटी तिरुपति के स्थायी परिसर की स्थापना करने का निर्णय लिया गया। आंध्र प्रदेश सरकार ने स्थायी परिसर के विकास के लिए लगभग 530.49 एकड़ भूमि प्रदान की है। यह भूमि तिरुपति शहर से 22 कि.मी. और हवाई अड्डे से 14 कि.मी. येरपेट्टू-वेंकटगिरी सड़क पर स्थित है। आवंटित भूमि में दर्शनीय पहाड़ियां हैं। स्थायी परिसर के 2020 तक संचालनरत होने की आशा है।



स्थायी परिसर, आईआईटी तिरुपति के आवंटित भूमि का एक दृश्य



स्थायी परिसर की चारदीवारी का एक दृश्य

आने वाले दशकों में आईआईटी तिरुपति के 12,000 छात्रों का परिसर होने की आशा है। स्थायी परिसर के चरणबद्ध विकास के लिए शीघ्र ही मास्टर योजना एवं वास्तुकार परामर्शदाता की नियुक्ति करने की योजना है।

वर्तमान में आंध्र प्रदेश सरकार 530 एकड़ क्षेत्र में संस्थान के स्थायी परिसर के लिए चारदीवारी का निर्माण कर रही है। दीवार का निर्माण लगभग 60 प्रतिशत पूरा हो गया है और यह अब भी जारी है।

मास्टर योजना के लिए इनपुट प्रदान करने हेतु दो रिपोर्ट तैयार की गई थी और वे नीचे सूचीबद्ध की गई हैं:

- समूचे स्थल का विस्तृत सर्वेक्षण और कंट्रोल मैपिंग
- पारिस्थितिकी प्रबंधन योजना पर रिपोर्ट

## पारिस्थितिकी प्रबंधन योजना पर रिपोर्ट का विवरण

आईआईटी तिरुपति के स्थायी परिसर स्थल की पारिस्थितिकी के संरक्षण के लिए चेन्नई में आधारित एक गैर-सरकारी संगठन केयर अर्थ ट्रस्ट द्वारा एक व्यापक पारिस्थितिकी प्रबंधन योजना (ईएमपी) तैयार की गई। ईएमपी का समग्र उद्देश्य अवस्थानात्मक वास की पहचान और पारिस्थितिकी प्रणाली प्रक्रिया सहित आईआईटी तिरुपति के स्थायी परिसर की आधारभूत पारिस्थितिक मैपिंग करना था। ईएमपी अध्ययन की महत्वपूर्ण सिफारिशें, वेटलैंड, स्ट्रीम और गहन वैजीटेशन क्षेत्रों को शामिल करते हुए नीले-हरे जोन का सृजन करना था जो एक ऐसे सतत क्षेत्र के रूप में कार्य करेगी जिसमें पारिस्थितिकी को संरक्षित, और पुनः स्थापित किया जा सके। ईएमपी परिसर के लिए मास्टर योजना की आयोजना में कई महत्वपूर्ण घटकों में से एक घटक का आधार है।

### 9.3 पारगमन परिसर

तात्कालिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक पारगमन परिसर का निर्माण करने का निर्णय लिया गया। जिसे बाद में आईआईटी तिरुपति परिसर की समग्र मास्टर योजना के साथ समेकित किया जाएगा।

पारगमन परिसर में 600 छात्रों को ठहराने की छात्रावास सुविधा, प्रयोगशाला सुविधा, भोजनालय सुविधा, शिक्षण कक्ष परिसर, आवासीय ब्लॉक और इनडोर खेल सुविधाएं लगभग 35 एकड़ में स्थित हैं। पारगमन परिसर में नीचे दी गई सुविधाओं के लिए वास्तुकला एवं डिजाइन पूरे हो गए हैं:

- लगभग 2500 वर्ग मीटर प्रत्येक के साथ 4 लड़कों के छात्रावास और 1 लड़कियों का छात्रावास (120 सीटर)
- इंजीनियरिंग विषयों के लिए दो प्रयोगशाला भवन, 1986 वर्ग मीटर
- इनडोर खेल ऑडोटेरियम 2398 वर्ग मीटर
- छात्रों के लिए भोजन सुविधा 1550 वर्ग मीटर
- शिक्षण कक्ष परिसर लगभग 1473 वर्ग मीटर
- 4 अपार्टमेंट के साथ आवासीय भवन 290 वर्ग मीटर
- रखरखाव कार्यालय 58 वर्ग मीटर
- विद्युत, जल, नालों की सफाई और सड़कों को शामिल करते हुए सेवाएं



पारगमन परिसर की भूमि पूजा 23 मार्च, 2017 को की गई

पारगमन परिसर में सभी भवनों का निर्माण फास्ट ट्रैक निर्माण प्रौद्योगिकियों जैसे ग्लास-फाइबर री-इंफोर्स जिप्सम (जीएफआरजी) वॉल पैनेल बिल्डिंग सिस्टम और स्टील प्री-इंजीनियर्ड भवनों का प्रयोग करते हुए किया जा रहा है। पारगमन परिसर सुविधा के मार्च 2018 तक संचालनरत होने की आशा है। परिसर का निर्माण कार्य डिपोजिट कार्य के रूप में सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है। .

## छात्र आयोजन

आईआईटी तिरुपति अपने छात्रों के नवाचारी विचारों को आकार देने तथा उनकी बहु आयामी प्रतिभा को विकसित करने हेतु अवसर प्रदान करते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। आईआईटी तिरुपति के छात्र तकनीकी आयोजन, कार्यशालाओं और सामाजिक कार्यकलापों के आयोजन में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं। आईआईटी तिरुपति में एकेडेमिक्स, फोटोग्राफी, संगीत, नाटक, ट्रेकिंग, स्वयंसेवी, सामाजिक गतिविधियों इत्यादि संबंधी लगभग 10 सक्रिय क्लब हैं।

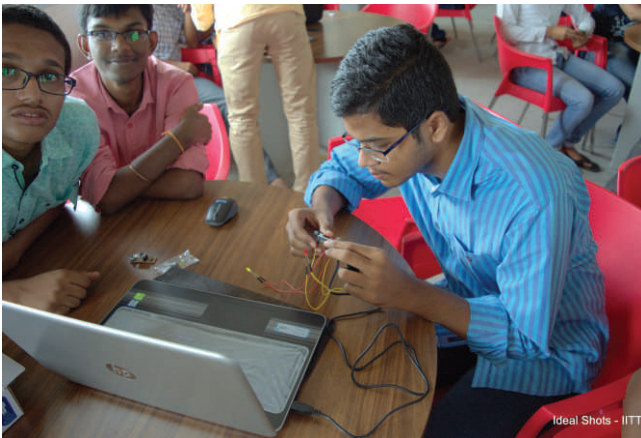
यह खंड छात्रों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों जैसे कि (क) तकनीकी गतिविधियां और कार्यशाला, (ख) एनएसएस गतिविधियां (ग) छात्र क्लब और खेल संबंधी गतिविधियों का विवरण प्रदान करता है।

### 10.1 तकनीकी आयोजन

वर्ष 2016-17 में निम्नलिखित तकनीकी गतिविधियां आयोजित की गईं:

#### रोबोकार्ट कार्यशाला

आईआईटी तिरुपति द्वारा 24 और 25 सितंबर, 2016 को रोबोकार्ट संबंधी इंटरनेट आफ थिंग्स (आईओटी) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अरडूनो माइक्रो कंट्रोलर तथा अन्य सहायक घटकों का परिचय शामिल था। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंटीग्रेटेड सर्किट का व्यापक परिचय इस आयोजन की मुख्य झलकी थी। छात्रों को बोर्डर, ट्रांसमिशन प्रोटोकॉल और इंटरनेट प्रोटोकॉलों से परिचित करवाया गया। यह कार्यशाला प्रतिभागियों से आरडूनो और रोबोटिक्स में रूचि जगाने में काफी सफल रही।



रोबोकार्ट वर्कशॉप के प्रतिभागी छात्र

## एस्ट्रॉनामी कार्यशाला

आईआईटी मद्रास के एस्ट्रॉनामी क्लब ने आईआईटी तिरुपति में उत्साहित छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए 27 और 28 जनवरी 2017 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में टेलिस्कोप के प्रकार (गैलिलियन और कैसेग्रेन टेलिस्कोप) तथा विभिन्न ग्रहों को देखने के लिए इसकी माउंटिंग पद्धति से परिचय करवाना शामिल था। कार्यशाला का एक विशिष्ट सत्र एस्ट्रॉनामी से संबंधित सॉफ्टवेयर की पहचान के प्रति समर्पित था। इस सत्र ने प्लीयाडेस, ऑरियान नेबुला और अन्य ओपन क्लस्टर एम35 को देखने के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया।



एस्ट्रॉनामी कार्यशाला के प्रतिभागी छात्र

## ऐन्फेंग

ऐन्फेंग आईआईटी तिरुपति में 25-26 मार्च, 2017 को आयोजित पहला छात्र तकनीकी उत्सव था। इस तकनीकी उत्सव में कार्यशालाएं, प्रख्यात वक्ताओं द्वारा वार्ता तथा विभिन्न अंतर कॉलेज छात्र प्रतियोगिता शामिल थी। उत्सव में आयोजित गतिविधियों का सार नीचे दिया गया है:

### • कार्यशालाएं

- अधिक सक्षम रूप से सूचना के संरक्षण हेतु कौशल के महत्व को जानने के लिए **एथिकल हैकिंग** का आयोजन किया गया।
- छात्रों को आंखों की पहचान करते हुए इमेज प्रोसेसिंग टूल का प्रयोग करके आंखों के हिलने (इरिस) के साथ रोबोट के कार्यकरण का नियंत्रण कैसे करें, से छात्रों को परिचित कराने के लिए **नेत्र नियंत्रित रोबोट कार्यशाला** का आयोजन किया गया। छात्रों को माइक्रो नियंत्रक प्रोग्रामिंग के साथ मोटर, ब्लूटूथ संचार के कार्य सिद्धांतों से अवगत कराया गया।



ऐनफैंग के छात्र प्रतिभागी



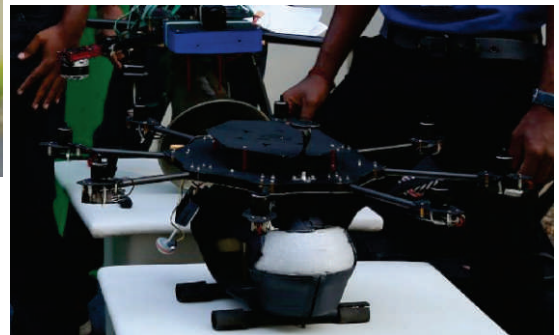
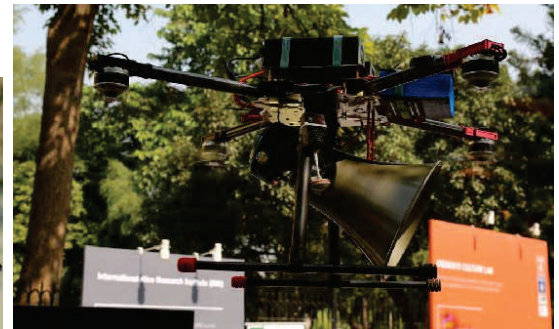
नेत्र नियंत्रित रोबोट के साथ एक छात्र

● निम्नलिखित विषयों पर विद्वानों द्वारा विशेष वार्ता का आयोजन हुआ:

- ◆ **डॉ. वी. शेशागिरी राँव**, पूर्व एसोसिएट निदेशक, इसरो ने "सिग्नल प्रोसेसिंग इन रियल टाइम पर एक वार्ता प्रदान की
- ◆ **डॉ. कृष्णा वैकेंटश**, निदेशक, सीआईआईआरसी ने "माइक्रो एयर व्हीकल्स संबंधी एक वार्ता प्रस्तुत की।
- ◆ **श्री दीपक राधा कृष्णन**, वरिष्ठ सौर थर्मल इंजीनियर, इम्पीरियल-केजीडीएस रिनुएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड "फ्रेशनल टैक्नालॉजी पर वार्ता की।



ऐनफैंग में गरुड़ ड्रोन शो का एक दृश्य

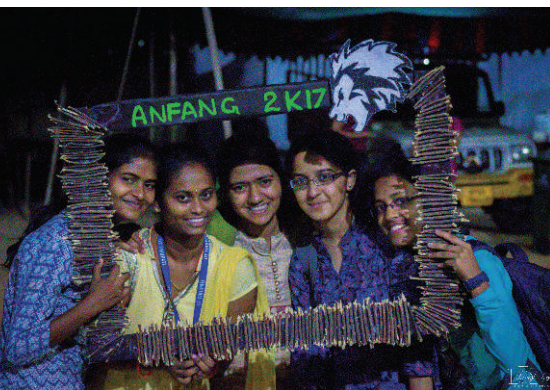




- एयरो स्पेस गुणवत्ता, प्रबंधन प्रणाली के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मानक प्रमाणित कंपनी गरूड एयरो स्पेस द्वारा **गरूड ड्रोन शो** दिखाया किया गया।
- **श्री राज शेखर सेलवा** एक इलैक्ट्रानिक इंजीनियर और उनकी टीम ने आर्टीफिशियल बर्ड एक्सपो, वीआर एक्सपो, स्मार्ट वाहन प्रदर्शन प्रस्तुत किया और उत्सव के दौरान इच्छुक छात्रों को प्रशिक्षित किया।



ऐन्फैंग में आर्टीफिशियल बर्ड एक्सपो का एक दृश्य



अंत में दूसरे दिन संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में विदाई समारोह के साथ उत्सव का समापन हुआ। निदेशक ऐसे अत्यंत लाभकारी तकनीकी उत्सवों के आयोजन में छात्रों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।



ऐन्फैंग के विदाई समारोह का एक दृश्य।

## 10.2 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) गतिविधियां

### तिरुपति और रेनीगुंटा रेलवे स्टेशन

संस्थान के छात्र स्वयंसेवकों ने सक्षम वैज्ञानिक तरीके से अपशिष्ट प्रबंधन पर पोस्टरों और पेंटिंग के माध्यम से रेलवे स्टेशनों पर जागरूकता पैदा की।

### केंद्रीय विद्यालय

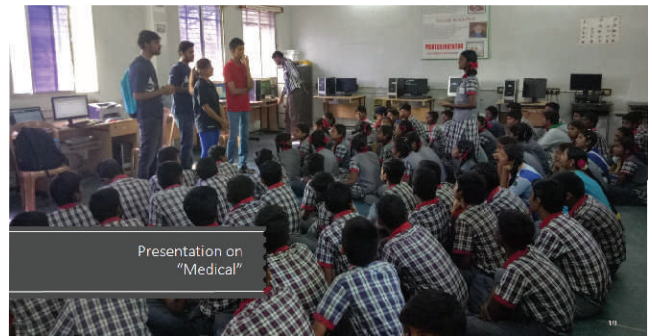


Demonstrating Acid-Base & Indicator experiment

आईआईटी के छात्र स्कूली छात्रों को भौतिकी प्रयोग प्रदर्शित करते हुए



Presentation on "Science, Engineering & Technology"



Presentation on "Medical"



Promoting "Learning by Doing"



Rise of water in the tilted jar when the candle inside goes off

भौतिकी प्रयोगों का शिक्षण कक्ष प्रशिक्षण

स्कूली छात्रों को भौतिकी से संबंधित घटनाओं को समझने का अवसर प्रदान करने और प्रेरित करने के लिए आईआईटी तिरुपति में भौतिकी के सुज्ञात भौतिकीविद् प्रो. टी.एस. नटराजन, भौतिकी प्राध्यापक द्वारा मौलिक विज्ञान प्रयोग का प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त संस्थान के स्वयंसेवक छात्रों ने इस बात का व्यापक सर्वेक्षण किया कि उस स्कूल के छात्रों को क्या पहचानना आवश्यक है। इस सर्वेक्षण के आधार पर एनएसएस समूह ने छात्रों को कम्प्यूटर और इंटरनेट का परिचय, प्रतियोगिता परीक्षाओं का परिचय, लैब गतिविधियों, शिक्षणेत्तर रुचियों इत्यादि के बारे में केंद्रीय विद्यालय के छात्रों को सीखाने की योजना बनाई।

एनएसएस समूह में सिविल सेवा परीक्षा के लिए तैयारी के संबंध में एक प्रस्तुति के माध्यम से छात्रों के साथ संपर्क किया। आईआईटी तिरुपति के छात्र स्वयंसेवकों ने स्कूल के छात्रों के लिए कुछ भौतिकी और रसायन से संबंधित प्रयोग प्रदर्शित किए।

## नवजीवन नेत्रहीन राहत केंद्र

स्वयंसेवकों ने नवजीवन नेत्रहीन राहत केंद्र का दौरा किया और केंद्र के छात्रों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अंग्रेजी और विज्ञान विषयों में पढ़ाया। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने ट्रस्ट को बैंचों की खरीद के लिए 10,000 रूपए की राशि भी दान दी चूंकि वहां इन बैंचों की कमी थी।

## क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र

छात्र स्वयंसेवकों ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, तिरुपति में एक नवाचारी उत्सव आयोजन किया। छात्र स्वयंसेवकों ने स्कूली छात्रों की उत्सव में रखे गए विभिन्न नवाचारी परियोजना मॉडलों को समझने में सहायता की।



नवाचारी उत्सव में छात्र स्वयंसेवक

## अभय क्षेत्रम अनाथालय

छात्र प्रतिभागियों ने छात्रावास में साथी छात्रों से और छात्रावास के नजदीकी क्षेत्र से पुराने कपड़े इकट्ठे करने की पहल की तत्पश्चात् इन्हें अभय क्षेत्रम् अनाथालय में जरूरतमंद बच्चों को दान में दिया।

अभय क्षेत्रम अनाथालय में पुराने कपड़े दान करते हुए छात्र स्वयंसेवक



## ग्रामीण विकास पर केन्द्रित एनएसएस की गतिविधियां

### पलागुटापल्ली में स्थल दौरा



एनएसएस समूह ने आईआईआईटी श्रीसिटी के प्रो. नागेश के दिशा-निर्देश में दो बार पलागुटापल्ली नामक गांव का दौरा किया और "जंगल-जल-जमीन" नामक एक गतिविधि में भाग लिया। जिसके अंतर्गत नजदीकी वाटर बॉडी (टैंक) इसके आपूर्ति चैनल्स (झरना) और नजदीकी खेतों की यात्रा की गई।

दूसरे स्थल दौरों में छात्र समूह गांव में खेती की जा रही फसलों पर मात्रात्मक सूचना पर आंकड़े एकत्रित करने के लिए तथा क्षेत्र में आम तौर पर खेती की जाने वाली विभिन्न फसलों की उत्पादकता के फील्ड सर्वेक्षण में शामिल था।



प्रो. नागेश, आईआईआईटी श्रीसिटी आईआईटी तिरुपति के छात्रों के साथ

### उन्नत भारत अभियान कार्यकलापों को आरंभ करना

उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत आईआईटी तिरुपति ने येरपेडू मंडल के 5 गांव अर्थात जंगलापल्ली, पंगुरु, पगली, राजुलापलेम, चिडेपल्ली की लोगों के स्थानीय जीवन स्तर में सुधार करने में सहायता प्रदान करने हेतु पहचान की। प्रो. के.एन. सत्यनारायण और एनएसएस की टीम ने येरपेडू मंडल के तहसीलदार श्री वेंकट रायलू से विभिन्न गतिविधियों के लिए संबंधित गांववासियों से वीआरओ के अनुरोध हेतु मुलाकात की जिनमें आईआईटी तिरुपति के छात्र गांव वासियों के जीवन मानकों में सुधार हेतु सहायता करने के लिए भाग ले सकते थे।



निदेशक, आईआईटी, तिरुपति एनएसएस के सदस्यों और तहसीलदार, चित्तूर जिला से बात-चीत करते हुए

### 10.3 छात्र क्लब और कार्यकलाप

छात्र क्लब और सोसायटी पाठ्यपुस्तकों से परे जीवन को महसूस करने के लिए गतिविधियों का आयोजन करती रहती है। इस अवधि के दौरान छात्रों के विभिन्न क्लबों और सोसायटी द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गयी:



लघु फिल्म के कुछ दृश्य

## एक्टोमेनिया

यह क्लब छात्रों की एक्टिंग प्रतिभा का पता लगाने और स्किट ड्रामा और लघु फिल्मों के प्रदर्शन के विचार के साथ 22 फरवरी, 2016 को आरंभ किया गया। सुश्री वाई श्रावन्ती को समन्वयक की जिम्मेदारी दी गई और सुश्री वुरुकुटी तरानी ने क्लब के सह-समन्वयक के रूप में कार्य किया।

एक्टोमेनिया क्लब की पहली लघु फिल्म "नित्या- एक ट्रेजिक लव स्टोरी" सभी कलाकारों और फोटोग्राफी क्लब (आयडियल शाट्स) के सहयोग से एक सप्ताह के समय में सफलतापूर्वक पूरी हो गई और इसने आईआईआईटी-श्रीसिटी के अभिसर्ग में लघु फिल्म प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

## आर्टिस्टा

कला क्लब जो पेंटिंग, स्कैचिंग, क्राफ्टिंग में प्रतिभाओं को तरासने हेतु बना है, सदैव एक विषय के साथ किसी भी सौंदर्यपूर्ण स्थिति के सृजन के अवसर के लिए तैयार रहता है। क्लब के पहले समन्वयक श्री राघव धवन थे। सुश्री सोनाली श्रीवास्तव और श्री अक्षय यादव ने क्लब की गतिविधियों के आयोजन में सह-समन्वय किया।

## अरण्य

आईआईटी तिरुपति का साहसिक क्लब अरण्य विभिन्न सौंदर्यपूर्ण स्थलों तक ट्रेकिंग का आयोजन करने में काफी सफल रहा है। श्री सुधाशु सिंह को समन्वयक की जिम्मेदारी सौंपी गई और श्री प्रांजल शुक्ला और श्री लीला कृष्णा मोहन, सुश्री किरण ज्योति गंटूर, श्री अमन सिंह और श्री हर्षवर्धन जाकूला का क्लब के सह-समन्वयक के रूप में चयन किया गया।

संस्थान के ट्रेकिंग क्लब अरण्य ने 13 अगस्त, 2016 को मूलाकोणम में ट्रेकिंग का आयोजन किया। इस स्थान के दर्शनीय सौंदर्य ने ट्रेकिंग के लिए जाने वाले प्रत्येक संकाय सदस्य, छात्र, स्टाफ को रोमांचित कर दिया। इस स्थान की यात्रा शैक्षिक सत्र के आरंभ में छात्रों की साहसिक भावना के पुनर्जागरण के रूप में अत्यधिक सफल रही।

मूलाकोणम में छात्रों द्वारा ट्रेक





अरण्य क्लब ने 9 अक्टूबर, 2016 को तालकोणम में दूसरे ट्रेक का आयोजन किया। स्थान तालकोणम भारत में आंध्र प्रदेश की श्री वेंकटेश्वरा नेशनल पार्क, चित्तूर जिले में स्थित है। 270 फीट (82 मीटर) फॉल के साथ तालकोणम आंध्र प्रदेश में सबसे उँचा वाटर फॉल है।

तालकोणम का मनोरम दृश्य

## 7 के फन रन

आईआईटी तिरुपति के शिक्षक, छात्र और स्टाफ सदस्य 28 जनवरी 2017 को संस्थान के निदेशक के साथ स्थायी परिसर स्थल में 7के फन रन के लिए गए। वास्तविक रूप से यह दौड़ आईआईटी तिरुपति परिवार के सभी सदस्यों के लिए मनोरंजक थी। इस इवेंट ने संस्थान के सभी सदस्यों के एक-दूसरे के साथ संबंधों को घनिष्ठ किया। .



7के फन रन के दौरान संकाय, स्टाफ और छात्रों के साथ निदेशक, आईआईटी तिरुपति

## चतुरंग

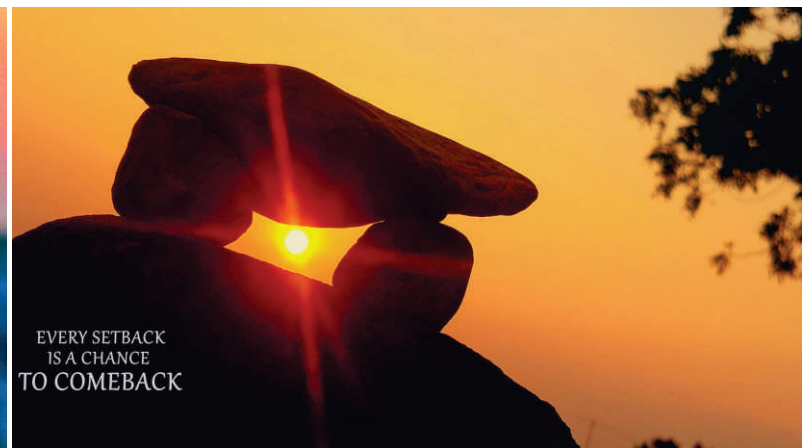
चतुरंग क्लब का गठन 27 जनवरी, 2017 को किया गया। संस्थान के चतुरंग क्लब ने छात्रों को 4 हाउसों में बांटकर एक शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया। श्री ए. चैतन्य ने क्लब के समन्वयक के रूप में कार्य किया जबकि श्री मूव्वा संदीप ने सह-समन्वयक की जिम्मेदारी उठाई।

अंतरा आईआईटी शतरंज टूर्नामेंट में भाग लेते छात्र



## आइडियल शॉट्स

श्री वेंकट कृष्णा, श्री अखिल भारद्वाज और सुश्री संदलिका सप्रा द्वारा क्रमशः समन्वित और सह-समन्वित फोटोग्राफी क्लब है। फोटोग्राफी क्लब आइडियल शॉट्स ने फोटोग्राफी ड्राइव: डॉन एंड डस्क तथा स्वतंत्र क्लिक नाम की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिसमें डॉन और डस्क में सूर्य के सौंदर्य की फोटो ली गई जोकि गणतंत्र दिवस समरोह के दौरान गणतंत्र दिवस शीर्षक से मिलता-जुलता था।



फोटोग्राफी ड्राइव की कुछ फोटो

## सहयोग

यह क्लब उस बात का प्रबंधन करता है जिस पर आईआईटी तिरुपति सबसे अधिक गर्व करता है। इसकी सामाजिक पहल जैसे कि अनाथालय सहायता, स्कूल शिक्षण इत्यादि किसी संस्था का सामाजिक मुद्दों में सीधा योगदान है। इस क्लब के समन्वयक की जिम्मेदारी सुश्री दीपिका केडेला को दी गई और श्री आदित्य धल ने क्लब के सह-समन्वयक के रूप में गतिविधियों को समर्थन दिया। संस्थान के सहयोग क्लब ने 28 अगस्त 2016 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें संस्थान के संकाय सदस्य, छात्रों और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपना रक्तदान किया।



रक्तदान शिविर का आयोजन

## सरगम

सरगम, संगीत क्लब गायन, कंपोजिंग में इच्छुक अथवा कानो और हृदय को प्रिय किसी भी चीज के सृजन तथा प्रस्तुति में इच्छुक व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। श्री मयंक श्रीवास्तव ने क्लब के समन्वयक की जिम्मेदारी संभाली और सुश्री बी. रमैया तथा श्री एम. विकास ने सह-समन्वयक के रूप में कार्य किया।

इस संगीतीय क्लब ने अंतरा: एक संगीतीय आयोजन, एक कराओके आधारित सोलो गायन प्रतियोगिता का 29 सितम्बर 2016 को आयोजन किया। अधिकांश छात्रों ने इस आयोजन में भाग लिया। इस आयोजन में डॉ. एन. पद्मा, एसवी विश्वविद्यालय निर्णायक की भूमिका में रहीं। प्रतिस्पर्धा के अंत में सर्वोत्तम प्रदर्शकों को कुछ पुरस्कार दिए गए।



अंतरा: एक संगीत आयोजन



## फ्रेशर्स नाईट



फ्रेशर्स नाईट में छात्र समारोह



आईआईटी तिरुपति के छात्रों ने 1 अक्टूबर, 2016 को संस्थान में नए आने वाले छात्रों के स्वागत के लिए एक फ्रेशर्स नाईट का आयोजन किया। पार्टी जिसमें संगीतीय आयोजन, स्किट और छात्र मेल-मिलाप सत्र जैसे विभिन्न प्रदर्शन शामिल थे, का परिसर में आयोजन संस्थान के सभी छात्रों के बीच अंतर-व्यक्तिगत संबंधों को मजबूत बनाने के लिए किया गया था।



## 10.4 खेल गतिविधियां

संस्थान में सभी खेल गतिविधियों के समन्वय हेतु एक खेल परिषद् का गठन किया गया। इस परिषद् ने अत्यधिक सफलतापूर्वक विभिन्न खेल गतिविधियों के आयोजन में छात्रों की सहायता की और साथ ही संस्थान में खेल आयोजनों में अत्यधिक मजबूत नींव रखने का कार्य भी किया।

2016-17 के दौरान निम्नलिखित खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया:



अस्थायी परिसर में बॉलीबाल मैच खेलते हुए छात्र

### आईआईएसईआर के साथ वालीबॉल मैच

दिनांक 18.03.2017 को आईआईएसईआर तथा आईआईटी तिरुपति के बीच एक वालीबॉल मैच खेला गया और इसका आयोजन आईआईटी तिरुपति वालीबॉल कोर्ट में किया गया। आईआईटी तिरुपति ने 3-1 से मैच जीता।

### छात्र-संकाय क्रिकेट मैच

संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अंतर-व्यक्तिगत संबंध मेल मिलाप को मजबूत बनाने के लिए 4 मार्च 2017 को छात्रों और शैक्षिक, गैर-शिक्षक स्टाफ सदस्यों के बीच एक क्रिकेट मैच खेला गया। विभिन्न विषयों के सभी संकाय सदस्यों ने मैच में उत्साहपूर्वक भाग लिया।



संकाय-छात्र क्रिकेट मैच की कुछ झलकियां

## आईआईटी कानुपर में आयोजित अंतर-आईआईटी खेल मुलाकात

आईआईटी तिरुपति के छात्रों ने 12-19 दिसंबर 2016 को आईआईटी कानुपर में आयोजित 51वें अंतर-आईआईटी खेल मीट में भाग लिया। विभिन्न ट्रेक और फील्ड आयोजनों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए कुल 18 छात्रों ने आईआईटी कानुपर की यात्रा की चूंकि आईआईटी मद्रास में पिछली अंतर-आईआईटी मीट दिसंबर, 2015 अप्रत्याशित बाढ़ के कारण निरस्त हो गई थी, यह आईआईटी तिरुपति के लिए इस सम्मानित आयोजन में भाग लेने का पहला अनुभव था। छात्रों ने विभिन्न आयोजनों में भाग लेते हुए और अन्य आईआईटी से प्रमुख व्यक्तियों के साथ मेल-मिलाप करते हुए पूरी तरह से इस अवसर का लाभ उठाया। आईआईटी कानुपर से जल्थे की वापसी पर आगामी वर्षों में पदक और भव्यता के आकर्षण ने उन्हें खेल क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए और प्रोत्साहित किया।



आईआईटी कानुपर में अंतर-आईआईटी खेल मीट में छात्र





भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति  
Indian Institute of Technology Tirupati  
Renigunta Road, Tirupati-517506, A.P.

[www.iittp.ac.in](http://www.iittp.ac.in)